INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

# यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त: DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-52 | मथुरा, शनिवार, 18 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay


## हे पुण्य आत्मा, चार वर्षों से आँगन उदास है।

# स्व. कविता गौतम

19.04.2022

*पुत्रवधू स्व. श्रीमती शान्ती देवी एवं स्व. श्री राजन लाल गौतम (पुलिस उपाधीक्षक उ.प्र., पुलिस)*
*मूल निवासी–नगला कली सादाबाद, हाथरस*

दूसरों की कमियाँ न दिखें, ऐसी नजर दे, अपनी ही गलतियों को समझने का हुनर दे।
तुम जो कभी धूप में सच्चाई के संग थी किस राह में खो गई ,जरा अपनी भी खबर दे।
बरसों से भटकता हूँ जलते हुए मरुस्थल में, सूखी सी आँखों को, तू मिलने का ही भरम दे।
घर के बुझ गए है खुशियों के दिए तू आकर अपने घर को खुशियों से भर दें।

**राजकुमार गौतम** (पति) वरिष्ठ अधिवक्ता | **पवन** (संपादक)–**नीलम** (देवर–देवरानी) | **मयंक** (निदेशक)–**टीना** (पुत्र–पुत्रवधू) | **मनन** (निदेशक) (पुत्र)


UNICOM ADVERTISING Since-1995 | यूनिक समय हर खबर समय पर ... | Unicom Digital | MM adverTiser

मथुरा | आगरा | नोएडा | लखनऊ | देहरादून

आवास– 6, शंकर विहार, कृष्णा नगर, मथुरा । 9837155888, 9837115157

INS ACCREDITED
यूंनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

# यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-52 | मथुरा, शनिवार, 18 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

### छत काटकर घर में घुसे नकाबपोश बदमाश

# परिवार को बंधक बनाकर 30 किलो चांदी लूटी

संवाददाता

**यूनिक समय, आगरा।** थाना एत्माद्दौला क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक सनसनीखेज डकैती की वारदात सामने आई है। बेखौफ बदमाशों ने एक घर की छत काटकर अंदर प्रवेश किया। हथियारों के बल पर पूरे परिवार को बंधक बनाकर करीब साढ़े 30 किलो चांदी सहित फैक्ट्री का कीमती सामान लूटकर भाग गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार प्रकाश नगर के नगला छीदामी निवासी रामदत्त अपने घर में ही चेन बनाने का काम करते हैं। वह फैक्ट्री से चांदी लाकर परिवार और मजदूरों के साथ आभूषण तैयार करते हैं। शुक्रवार की देर रात करीब दो बजे छह नकाबपोश बदमाश उनके घर की छत का लेंटर काटकर अंदर घुस आए। घर के अंदर खटपट की आवाज सुनकर परिवार के लोग जाग गए, तभी बदमाशों ने तमंचा और पिस्टल दिखाकर सभी को जान से मारने की धमकी दी। विरोध करने पर बदमाशों ने परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की और उन्हें बंधक बना लिया। इसके बाद बदमाशों ने मुख्य दरवाजा खोलकर अपने अन्य साथियों को भी अंदर बुला लिया। करीब आधे घंटे तक बदमाश घर में आतंक मचाते रहे और आराम से घर में रखी लगभग साढ़े 30 किलो चांदी व फैक्ट्री से संबंधित कीमती सामान समेट लिया। वारदात के दौरान परिवार के लोग खौफ में सिमटे रहे और कोई विरोध नहीं कर सके।

घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस को सूचना देने के बाद जब टीम मौके पर पहुंची तो उन्होंने गंभीरता दिखाने के बजाय उल्टा सवाल–जवाब किए और फटकार भी लगाई। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भय का माहौल है और स्थानीय लोग पुलिस गश्त व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

### तहसीलदार ने टूंडला में फोड़ा भ्रष्टाचार का बम, मथुरा में गूंज

## मथुरा में चर्चा... अब कौन किस पर करेगा भरोसा

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, मथुरा।** फिरोजाबाद में टूंडला की तहसीलदार राखी शर्मा ने भ्रष्टाचार का ऐसा बम फोड़ा कि उसकी गूंज मथुरा के सरकारी गलियारों में सुनाई दी। सुबह से अधिकांश सरकारी कार्यालयों में टूंडला तहसीलदार राखी शर्मा के बयान की चर्चा थी। उन्होंने फिरोजाबाद जिले के उच्च अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाकर कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की। मामला लखनऊ तक पहुंचने की खबर आ रही है।

मथुरा में इस मामले की गूंज इसलिए भी है कि यहां के अधिकांश सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार के

आरोपों की कहानी चल रही है। पिछले दिनों भी विजीलेंस टीम ने भी रिश्वतखोरी के मामलों में कई अधिकारी और कर्मचारियों की गिरफ्तारी भी की थी। इसलिए जिले में भ्रष्टाचार की बू आने लगती है। टूंडला की तहसीलदार राखी शर्मा के आरोपों पर मथुरा में कोई भी अधिकारी खुलकर बोलने को तैयार नहीं है। मन ही मन यह सोच रहे हैं कि यदि टूंडला की तहसीलदार राखी शर्मा की तरह ने मथुरा में किसी अधिकारी और कर्मचारी ने अपना मुंह खोल दिया तो क्या होगा। इस तरह से अधिकारी अब शायद किसी पर भरोसा करेंगे। लोगों के बीच सुना जा रहा है कि यह बात भी किसी से छिपी नहीं है मथुरा जिले में भ्रष्टाचार से अछूता है। कई दफ्तरों में बाहरी व्यक्तियों के माध्यम से सुविधा शुल्क वसूल कराकर फाइल पर चिड़िया बिठाई जाती है। लोगों का कहना है कि पहले की तरह अधिकारी वेश बदलकर किसी न किसी कार्यालय का बिना बताए पहुंचे तो उनके सामने पूरी सच्चाई आ सकती है कि लोग भ्रष्टाचार से कितने परेशान है।

### एसडीएम ने ओवरलोड वाहनों पर की कार्रवाई, पांच वाहनों को पकड़ा

**यूनिक समय, सुरीर ।** मांट तहसील में ओवरलोडिंग वाहनों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार को एसडीएम मांट– दीपिका मेहर,के नेतृत्व में नौहझील-राया मार्ग पर अभियान चलाकर ओवरलोड बालू लेकर जा रहे 5 वाहनों को पकड़ लिया गया। ओवरलोड वाहनों में बालू से भरी दो ट्रैक्टर–ट्रॉलियां और एक ट्रक ट्रेलर भी शामिल है। एसडीएम ने पकड़े गए सभी वाहनों को थाना सुरीर में कार्रवाई के लिए खड़ा करा दिया।

### कल अक्षय तृतीया पर बांके बिहारी मंदिर में होंगे चरण दर्शन

**यूनिक समय, मथुरा।** बांके बिहारी मंदिर में कल अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं को भगवान के चरण दर्शन का दुर्लभ अवसर मिलेगा, जिसे लेकर भक्तों में खास उत्साह देखा जा रहा है।

## पीएनजी न लेने पर कट सकता है एलपीजी कनेक्शन

**यूनिक समय, मथुरा।** शहर के गैस उपभोक्ताओं के लिए जरूरी खबर है। जिन इलाकों में पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) की लाइन चालू हो चुकी है, वहां अब एलपीजी गैस कनेक्शन रखने वालों को पीएनजी कनेक्शन लेना जरूरी होगा। अगर तय समय में पीएनजी कनेक्शन नहीं लिया गया तो एलपीजी कनेक्शन बंद किया जा सकता है। जानकारी के अनुसार मथुरा के कई क्षेत्रों में पिछले तीन महीनों के अंदर पीएनजी पाइपलाइन चालू हो चुकी है। ऐसे इलाकों में अब गैस कंपनियां उपभोक्ताओं को पीएनजी से जोड़ने का काम तेजी से कर रही हैं। पीएनजी गैस को एलपीजी से ज्यादा सुरक्षित और सुविधाजनक माना जाता है। इसमें सिलेंडर खत्म होने या बुकिंग कराने की जरूरत नहीं पड़ती, क्योंकि गैस पाइपलाइन के जरिए लगातार मिलती रहती है। साथ ही, यह पर्यावरण के लिए भी बेहतर मानी जाती है। जिला पूर्ति अधिकारी संजय सिंह का कहना है कि यह नियम सिर्फ उन्हीं क्षेत्रों में लागू होगा जहां पीएनजी लाइन पूरी तरह से चालू हो चुकी है। बाकी इलाकों में फिलहाल एलपीजी कनेक्शन पहले

### पीएनजी लाइन वाले इलाकों में एलपीजी गैस कनेक्शन पर सख्ती

### जल्द लेना होगा नया कनेक्शन

की तरह चलते रहेंगे। उन्होंने कहा कि वे समय रहते पीएनजी कनेक्शन ले लें, ताकि बाद में किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। कहा कि पीनएजी गैस की लाइनें जिन क्षेत्रों में चालू हो चुकी है वहां के लोगों को हरहाल में कनेशन लेना पड़ेगा, नहीं तो तीन माह के अंदर एलपीजी वाला गैस कनेक्शन बंद कर दिया जाएगा।

## पंचायत की जमीन कब्जाने को दो पक्षों में जमकर चलीं लाठियां

दो पक्षों में जमकर चलते लाठी डंडे।

**यूनिक समय मथुरा।** थाना बरसाना के गांव पिसावा में ग्रामपंचायत की भूमि पर कब्जे को लेकर आज दो पक्षों में जमकर लाठी–डंडे चले। मारपीट की घटना से गांव में दहशत फैल गई। हमलावरों ने महिलाओं पर भी रहम नहीं किया। झगड़े में कई महिलाओं सहित दस लोग घायल हो गए। दो महिलाओं की हालत गंभीर बनी हुई है।

बताया गया कि गांव में ग्राम पंचायत की जमीन पर कब्जा करने के मामले की शिकायत तहसीलदार से की गई थी। राजस्व विभाग द्वारा इस मामले में कार्रवाई नहीं की गई। एक पक्ष के लोग जमीन पर कब्जा करने के लिए उस पर भूसे की बुर्जी आदि बना रहे थे। इस बात को लेकर दूसरे पक्ष के लोगों ने

### दस लोग हुए घायल दो महिलाओं की हालत गंभीर

विरोध किया। कुछ ही देर में दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। दोनों ओर से महिलाएं और पुरूष लाठी डंडे लेकर एक दूसरे से भिड़ गए। दोनों ओर से काफी देरतक मारपीट में लाठी डंडे चले। बताया गया कि एक पक्ष के घम्मो, कल्लो, सुधा और शिवम के अलावा महिलाओं के साथ दस लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों में दो महिलाओं की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

**बदलाव** — योगी मंत्रिमंडल के विस्तार की चर्चा

## कई चेहरों की होगी छुट्टी, नए चेहरों को मिलेगा मौका

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, लखनऊ।** यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल को लेकर इस सप्ताह संभवत अंतिम फैसला हो सकता है। बंद कमरे में इसकी डेट भी तय हो गई है। विधानसभा चुनाव 2017 को देखते हुए मंत्रिमंडल और भाजपा संगठन में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

लखनऊ से लेकर दिल्ली तक के राजनैतिक गलियारों में मंत्रिमंडल विस्तार और संगठन में व्यापक फेरबदल की खबर सुनाई दे रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ मंत्रणा हो चुकी है। बंद कमरे में हुई बैठक के बाद ये संकेत मिल रहे

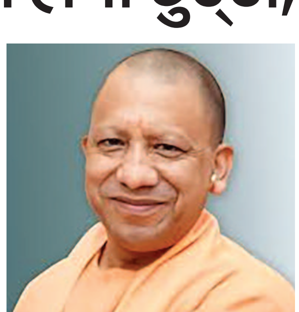

हैं कि मंत्रिमंडल विस्तार और संगठन में बदलाव के स्वरूप को इसी सप्ताह अंतिम रूप दिया जा सकता है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार इन दोनों स्तरों पर होने वाले बदलावों के लिए अगले सप्ताह की शुरूआत के पहले तीन–चार दिन बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद भाजपा संगठन में नए पदाधिकारियों

### भाजपा संगठन में भी बड़े बदलाव के संकेत

की सूची भी जारी कर दी जाएगी।

इससे पहले भाजपा संगठन चुनाव के प्रेक्षक विनोद तावड़े ने हाल ही में दो दिनों तक लखनऊ में प्रवास किया था। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ कई दौर की बैठकें कीं। इन बैठकों में मंत्रिमंडल विस्तार, संगठनात्मक बदलाव के साथ–साथ निगमों और बोर्डों में नियुक्तियों को लेकर भी रायशुमारी की गई। विभिन्न नेताओं से फीडबैक लेकर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई।

विनोद तावड़े ने अपनी रिपोर्ट पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को सौंप दी है। यह रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष को दी गई, जिसके आधार पर अंतिम निर्णय लिया जाना है। सूत्रों का कहना है कि अब इसी रिपोर्ट के आधार पर अंतिम दौर की बैठकों में निर्णय तय किए जा रहे हैं, ताकि सभी राजनीतिक और संगठनात्मक संतुलन बनाए रखे जा सकें।

इन बैठकों और संभावित फैसलों को लेकर प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। मंत्रिमंडल विस्तार और संगठन में बदलाव को लेकर विभिन्न स्तरों पर कयास लगाए जा रहे हैं।

माना जा रहा है कि इन फैसलों से आने वाले समय में पार्टी की रणनीति और राजनीतिक समीकरणों पर बड़ा असर पड़ेगा।

## बाटी ग्राम पंचायत की हकीकत उजागर

# कागजों में स्मार्ट,जमीन पर नारकीय हालात

ग्राम बाटी में गंदगी और जलभराव के हालात।

सिटी रिपोर्टर

**यूनिक समय, मथुरा।** एक तरफ ग्राम पंचायत बाटी को "स्मार्ट ग्राम पंचायत" घोषित कर डॉ. राम मनोहर लोहिया पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, वहीं दूसरी तरफ गांव की जमीनी हकीकत इस दावे को पूरी तरह कटघरे में खड़ा कर रही है। हाल ही में सामने आई तस्वीरों और वीडियो में गांव की गलियों में गंदगी, जलभराव और बदहाल सफाई व्यवस्था साफ दिखाई दे रही है।

गांव की सड़कों पर जगह-जगह गंदा पानी भरा हुआ है, जिससे आवागमन मुश्किल हो गया है। कई गलियों में नालियां चौक पड़ी हैं और उनका पानी सड़कों पर बह रहा है। कचरे के ढेर खुले में पड़े हैं, जिससे बदबू और संक्रमण

### नालियां जाम, सड़कों पर गंदा पानी, संक्रमण का खतरा

### जमीनी सच्चाई और सरकारी दावों में बड़ा अंतर

### ग्रामीणों ने लगाए गंभीर आरोप जांच की उठी मांग

### प्रधान से संपर्क नहीं, सचिव बोले-तीन सफाईकर्मी पर निर्भर है पंचायत, जल्द होगा निस्तारण

स्थानीय निवासी वीरेंद्र गोला का आरोप है कि यह स्मार्ट ग्राम नहीं बल्कि गंदगी और बीमारी का अड्डा बन गया है, जहां विकास सिर्फ कागजों तक सीमित है।

कन्हैया पंडित का कहना है कि पुरस्कार मिलने के बाद भी अगर हालात ऐसे हैं तो यह सीधे-सीधे लापरवाही और भ्रष्टाचार को दर्शाता है।

योगेश राजावत ने कहा कि गांव की हालत देखकर लगता है कि प्रशासन ने बिना जांच के ही सब कुछ आदर्श घोषित कर दिया।

योगी राजपूत का आरोप है कि सफाई के नाम पर सिर्फ औपचारिकताएं निभाई जा रही हैं और जिम्मेदार अधिकारी मौके पर आते ही नहीं।

धीरज कुमार ने भी सवाल उठाते हुए कहा कि अगर यही स्मार्ट पंचायत है तो असल विकास की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

लक्ष्मीकान्त का आरोप है कि जब भी सचिव को फोन करते हैं तो सचिव कहते हैं कि सफाई कर्मियों की ड्यूटी बड़े अधिकारियों की सेवा में लगने से पंचायत का कार्य बाधित होता है।

फैलने का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित सफाई नहीं होती और सफाई व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

हैरानी की बात यह है कि जिन कार्यों के आधार पर पंचायत को "स्मार्ट" और "सशक्त" बताया गया, उन्हीं मूलभूत सुविधाओं की स्थिति सबसे ज्यादा खराब नजर आ रही है। अखबारों में छपी प्रशंसा और जमीनी तस्वीरों के बीच साफ विरोधाभास दिख रहा है। यह पूरा मामला अब प्रशासनिक व्यवस्था और पुरस्कार चयन प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर रहा है। बिना जमीनी सत्यापन के पंचायतों को सम्मानित किए जाने की प्रक्रिया पर भी गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। अब देखना होगा कि संबंधित अधिकारी इस मामले में क्या कार्रवाई करते हैं और क्या गांव की बदहाल व्यवस्था में सुधार हो पाता है या नहीं।

ग्राम बाटी के प्रधान संजय धनगर से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ। वहीं पंचायत सचिव विशन सिंह ने बताया कि बाटी एक बड़ी ग्राम पंचायत है, जहां तीन सफाईकर्मी तैनात हैं और एक कर्मचारी रिक्शा के माध्यम से कचरा ढुलाई का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि यदि कहीं गंदगी या कूड़े के ढेर हैं तो उनका शीघ्र निस्तारण कराया जाएगा।

## तापमान / मौसम

40 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

23 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

## सोना-चांदी भाव

**सोना**

24 कैरेट 1,56,000
22 कैरेट 1,43,000
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

**चांदी**

2,55,000 प्रति किलो

## आपातकालीन सेवाएं

112 -आपातकालीन सेवा
1962 - रेलवे हेल्पलाइन
100 - पुलिस
108 - एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102 - एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101 - अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090 - महिला हेल्पलाइन
1091 - महिला पुलिस सहायता
1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन
104 - स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033 - राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073 - सड़क दुर्घटना आपात सहायता

## बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें)
वाट्सऐपः 8010957826

## नगर निगम

1533 - नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन
14420 – सीवर सफाई के लिए
18003094747- टोल-फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)
0565-2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

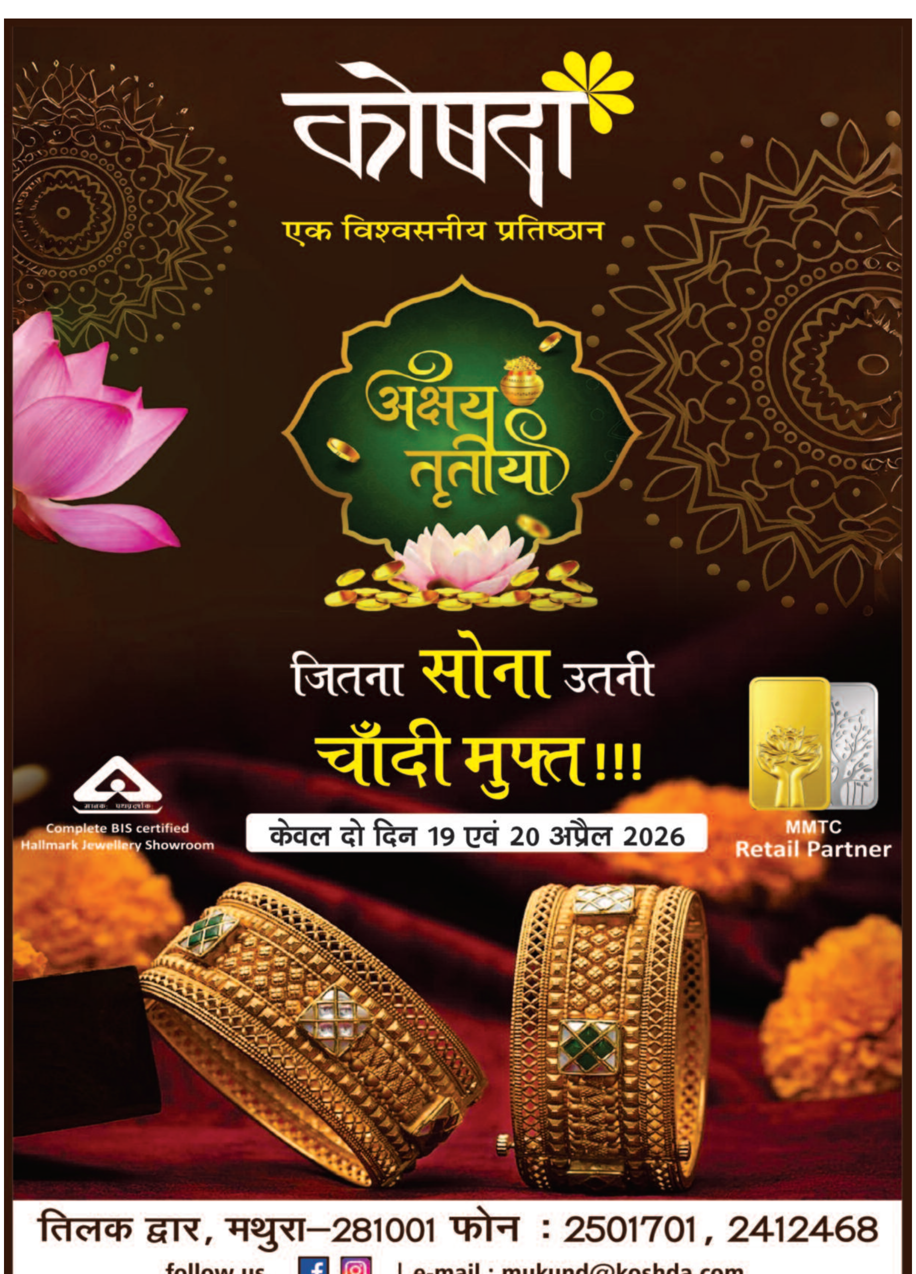


# साइन बोर्ड गिरने से हो सकता है जानलेवा हादसा

फरह कस्बा के समीप रेलवे फाटक मार्ग पर लगा साइन बोर्ड।

### स्थान की दूरी दर्शाने वाले बोर्ड का पिलर गल गया है नीचे से

संवाददाता

**यूनिक समय, फरह (मथुरा)।** सड़क किनारे लगा साइन बोर्ड किसी दिन हादसे की वजह बन सकता है। प्रमुख नगर और कस्बों की दूरी दर्शाने को लगाए गए बोर्ड का पिलर नीचे से गल गया है। किसी दिन आंधी में बोर्ड सड़क पर गिरेगा तो जनहानि होने की आशंका है।

लोक निर्माण विभाग ने राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित अंडरपास से रेलवे फाटक की ओर जाने वाले मार्ग पर साइन बोर्ड लगाया है। इस बोर्ड पर कई शहर और कस्बों की दूरी दर्ज की गई है। पानी की वजह से बोर्ड का पिलर नीचे से गल गया है।

सड़क किनारे लगाए गए बोर्ड की गिरने से किसी दिन हादसा होने की भी आशंका है।

साइन बोर्ड का नीचे से गला पिलर।

स्थानीय दुकानदार रमेश ने बताया कि बड़े बोर्ड के पिलर को बोल्ट के माध्यम से एक लोहे की प्लेट पर खड़ा किया गया है। प्लेट पर खड़ा लोहे के पिलर का नीचे वाला हिस्सा पानी की वजह से गल गया है। वर्तमान में आए दिन तेज आंधी आ रही है और यह बोर्ड किसी दिन सड़क पर गिरेगा। बोर्ड दिन में गिरा तो जनहानि भी हो सकती है। लोक निर्माण विभाग को इसे तत्काल सही करना चाहिए।

**यूनिक समय**

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
**कार्यालयः**- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
**फोन नंबर-0565-2420150,**
**मो. 9837155888**
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

# मिठाई की दुकान में लगी भीषण आग से मचा हड़कंप

**यूनिक समय, मथुरा।** बांके बिहारी मंदिर स्थित बाजार में एक मिठाई की दुकान में बिजली का शॉर्ट सर्किट होने से भीषण आग लग गई, जिस कारण इलाके में अफरा–तफरी मच गई। प्रातः का समय होने के कारण मंदिर में दर्शन करने वालों और बाजार में खरीददारी करने वाले लोगों की भीड़ नहीं थी। आग की सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बांके बिहारी मंदिर के समीप मुख्य गली में मंदिर के सेवायत हिमांशु गोस्वामी और आकाश गोस्वामी की मिठाई की दुकान है। दुकान में मिठाइयों के अलावा भोग प्रसाद भी तैयार किया जाता है। बताया गया कि

बांके बिहारी मंदिर वाली गली में मिठाई की दुकान में उठतीं आग की लपटें।

आज प्रातः करीब चार बजे बाजार में चहल–पहल कम थी। वहीं बाजार से गुजरते लोगों ने मिठाई की दुकान से धुंआ निकलते देखा। कुछ ही देर में

## फायर ब्रिगेड ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

काफी लोग मौके पर एकत्रित हो गए। दुकान मालिक को भी इस बारे में किसी ने सूचना दे दी। दुकान में आग लगने की खबर मिलने पर दुकानदार वहां से तुंरत दुकान पर पहुंचा। दुकानदार ने हिम्मत करके जैसे ही दुकान के शटर का ताला खोल कर शटर ऊपर किया तो दुकान के अंदर से तेज धुंए के साथ आग की लपटें निकलती देख दुकानदार और अन्य लोग तुरंत वहां से पीछे हट गए। लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को फोन किया।

मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने करीब एक घंटे से अधिक की कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह से काबू किया। आग से दुकान की दीवार चटक गई। बताया जा रहा है कि दुकान में आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट है। आग लगने से लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस इलाके में आपदा प्रबंधन के कोई साधन नहीं हैं, अगर इलाके में आग लगने की कोई घटना अचानक घटित हो जाए तो उससे संभालपाना मुश्किल हो जाएगा। इस इलाके में मंदिर प्रबंधकों और प्रशासन से लोगों ने आपदा प्रबंधन की व्यवस्था करने की मांग की है।

## फैक्ट्रियों की चिमनी उगल रही है रात दिन जहरीला धुआं

### बच्चों वृद्धों में परोस रही हैं सांस से संबंधित घातक बीमारियां

### शिकायत पर भी प्रशासन को लोगों के स्वास्थ्य का नहीं ख्याल

**यूनिक समय, कोसीकलां।** शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में औद्योगिक क्षेत्र की फैक्ट्रियों से निकलने वाला धुआं अब लोगों की सेहत पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। नवीपुर इंडस्ट्रियल एरिया, नंदगांव रोड स्थित बरहाना और हरीपुरा क्षेत्र के औद्योगिक इलाकों से उठता काला धुआं लगातार वातावरण को प्रदूषित कर रहा है, जिससे हालात चिंताजनक होने लगे हैं।

स्थानीय निवासियों के अनुसार दिन–रात फैक्ट्रियों की चिमनियों से निकलने वाला हजारों टन जहरीला धुआं हवा को प्रदूषित कर रहा है। इसका असर अब लोगों की सेहत पर पड़ता साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। बच्चों और बुजुर्गों में सांस लेने में दिक्कत होना शुरू हो रहा है। इसके साथ ही इसके चलते बड़ी संख्या में खांसी और आंखों में जलन के साथ कैंसर जैसी समस्याओं का तेजी से शिकार हो रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में फैक्ट्रियों से निकलने वाला जहरीला धुआं हवा में मिलकर लोगों में इस तरह के रोगों को बढ़ावा दे रहा है। इसको लेकर लोगों का कहना है कि इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार प्रशासन से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। केवल आश्वासन ही मिलते रहे हैं। यदि समय रहते इस प्रदूषण पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी भयावह हो सकती है। अब देखना यह है कि प्रशासन कब सक्रिय होकर इस समस्या का स्थायी समाधान निकालता है।

### प्रदेश सरकार ने किए 250 करोड़ रुपये मंजूर

## 1600 से अधिक शिक्षामित्रों को राहत की उम्मीद

### किस्तों में होगा भुगतान, सख्त निगरानी के निर्देश

### जिले में लंबे समय से मानदेय में देरी की शिकायतें

सिटी रिपोर्टर

**यूनिक समय, मथुरा।** मानदेय भुगतान को लेकर लंबे समय से जूझ रहे शिक्षामित्रों के लिए राहत की खबर है। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए 250 करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर की है, जिससे जिले में तैनात करीब 1600 से 1700 शिक्षामित्रों को सीधा फायदा मिलने की उम्मीद है।

बेसिक शिक्षा विभाग के तहत जारी इस निर्णय में स्पष्ट किया गया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल शिक्षामित्रों के मानदेय भुगतान में ही किया जाएगा। किसी अन्य मद में खर्च की अनुमति नहीं होगी और किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता पर जिम्मेदारी तय की जाएगी।

भुगतान प्रक्रिया को लेकर भी सख्त व्यवस्था लागू की गई है। पूरी धनराशि एकमुश्त जारी नहीं होगी, बल्कि आवश्यकता के अनुसार किस्तों में कोषागार से निकाली जाएगी। इससे भुगतान प्रणाली पर नियंत्रण रहेगा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की कोशिश की गई है।

इसके साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि खर्च का पूरा हिसाब रखा जाए और समय पर उपयोगिता प्रमाण पत्र दिया जाए। बिना प्रमाण पत्र के आगे की धनराशि जारी नहीं होगी, जिससे जवाबदेही तय होगी।

मथुरा में शिक्षामित्रों को लंबे समय से भुगतान में देरी और अनियमितता की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में इस फैसले से शिक्षामित्रों में उम्मीद जगी है कि अब उन्हें समय पर मानदेय मिल सकेगा। वहीं, इस संबंध में जब जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उनका फोन रिसीव नहीं हुआ और संपर्क नहीं हो सका। अब देखना होगा कि यह व्यवस्था मथुरा में कितनी प्रभावी साबित होती है और क्या वास्तव में शिक्षामित्रों को समय पर भुगतान मिल पाता है या नहीं।

## ठेला लगाने वालों की दर्द भरी दास्तांन

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, मथुरा।** सुबह 3–4 बजे उठो मंडी जाओ फल खरीदो – कभी महंगा, कभी सड़ा हुआ भी मिल जाता है 1000–2000 लगाओ... और दुआ करो कि आज घाटा न हो।

ठेला लेकर निकलो कभी धूप में जलो कभी बारिश में भीग जाओ कभी ठंड में कांपो लेकिन ठेला हर हाल में लगाना है।

नगर निगम वाले आ गए तो? चल हटाओ ठेला! यहाँ खड़ा नहीं होना! कभी ठेला उठाकर ले जाते हैं कभी फल फेंक देते हैं कभी 100–500 रुपये देकर समझौता करना पड़ता है...

लोग आते हैं –भैया 50 में लगा दो... थोड़ा और डालो... मोलभाव इतना कि मुनाफा गायब और ऊपर से कुछ लोग उधार भी मांग लेते हैं!

फल है भाई... आज नहीं बिका तो कल सड़ जाएगा कई बार पूरा दिन खड़े रहने के बाद शाम को आधा माल

फेंकना पड़ता है। घर पर बच्चे इंतजार करते हैं पापा आज क्या लाए? और कई बार जवाब होता है आज कुछ नहीं बचा... लोग समझते हैं –बस ठेला लगा रहा है... पर कोई नहीं देखता उसके पीछे की मेहनत, डर और संघर्ष।

अगले दिन वही इंसान फिर सुबह उठता है फिर ठेला लगाता है बिना छुट्टी, बिना सुरक्षा, बिना गारंटी सिर्फ उम्मीद के भरोसे... ना कोई पहचान ना कोई सम्मान फिर भी ये लोग हम तक ताजे फल पहुंचाते हैं और अपने परिवार का पेट भरते हैं।

## भगवान परशुराम का जन्मोत्सव रविवार को

**यूनिक समय, मथुरा।** भगवान परशुराम का जन्मोत्सव रविवार सुबह 10 बजे चौक बाजार गांधी पार्क पर मनाया जाएगा। वैदिक मंत्रों व दूध, दद्दी और शहद, घी, बूरा, गंगाजल से भगवान परशुराम का अभिषेक किया जाएगा। परशुराम शोभा यात्रा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल शर्मा, समिति के राष्ट्रीय महामंत्री बंशीलाल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मौके पर फूल बंगले में विराजमान हो भक्तों को दर्शन देंगे।

## जूता का सोल बनाने की फैक्टरी में लगी भीषण आग

**यूनिक समय, आगरा।** थाना सिकंदरा क्षेत्र के अंतर्गत ब्रजदीप कॉलोनी में शनिवार की सुबह करीब सात बजे जूते का सोल बनाने वाली एक फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। फायर ब्रिगेड की टीम ने समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। राहत की बात रही कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री में जूते के सोल बनाने का काम होता है, जहां ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैलने की आशंका थी। आग लगने की जानकारी मिलते ही फैक्ट्री मालिक प्रेम सिंह भी मौके पर पहुंच गए। आस पास के लोगों में आग को लेकर भारी हड़कम्प मचा रहा।

## आईटीआई परिसर में 21 अप्रैल को लगेगा रोजगार मेला

**यूनिक समय, मथुरा।** प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान किशन स्वरूप ने बताया कि 21 अप्रैल की सुबह 10 बजे से राजकीय आईटीआई परिसर, वृन्दावन रोड मथुरा में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में वर्ष 2022, 2023, 2024 एवं 2025 में आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थी तथा अन्य इच्छुक बेरोजगार युवक–युवतियां भाग ले सकते हैं। जो अभ्यर्थी नौकरी प्राप्त करना चाहते हैं, वे अपने समस्त मूल प्रमाण–पत्र, स्वप्रमाणित छायाप्रति तथा आवश्यक अभिलेख–जैसे शैक्षिक योग्यता प्रमाण–पत्र, तकनीकी योग्यता प्रमाण–पत्र, आधार कार्ड, बैंक विवरण एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ मेले में भाग ले सकते हैं।

R.K. JEWELLS
Quality & Trust
शुभ
अक्षय तृतीया
इस अक्षय तृतीया, अपनी ख़ूबसूरती को दें एक नई पहचान
हर 3 लाख की खरीदारी पर पाएं मुफ़्त सोने के सिक्के
सोने के आभूषणों पर मेकिंग चार्ज
5-99*
से शुरू
हमारे शोरूम की विशेषताएँ
पूर्ण पारदर्शिता
आजीवन नि:शुल्क रखरखाव का वादा
गोल्ड एक्सचेंज पर शून्य-कटौती
उचित मूल्य नीति पर परीक्षणित और प्रमाणित हीरे
जिम्मेदारी से उत्पादित सोना।
बायबैक गारंटी BIS 91.6 हॉलमार्क शुद्ध सोना।
Krishna Add: Nagar, In Front of Deep Nursing Home, Mathura Mob: 9548022096

जगदीश ज्वैलर्स
अडुकी वाले
WHOLESALE & RETAIL SHOWROOM
KISNA
Authorised Dealer
JAGDISH JEWELLERS ADUKI WALE
AKSHAY TRITIYA SPECIAL FREE GOLD COIN OFFER
50,000+ Gold Jewellery
30,000+ Silver Jewellery
25,000+DIamond Jewellery
100% HALLMARK SHOWROOM
Happy Akshaya Tritiya
Exclusive Range Available
अक्षय तृतीया का शुभ अवसर आया, जगदीश ज्वेलर्स ने सोने सा ऑफर सजाया
Dholi Pyau, Mathura
Mob. 9897443083, 8449109979
jagdishjewellersadukiwale@gmail.com
follow us on

AK Jewellers
सोना खरीदें। सदा संपन्न रहें
शुभ
अक्षय तृतीया
इस अक्षय तृतीया पर जगाएं खुशियाँ!
सोने के गहनों के साथ पाएं निश्चित उपहार
WHOLESALE / RETAIL
GOLD
SILVER
हॉलमार्क आभूषण
सबसे सस्ते दामों पर
शुद्ध सोना, उत्तम डिजाइन
बायबैक की गारंटी
संपूर्ण पारदर्शिता
गोल्ड एक्सचेंज पर शून्य-कटौती
जिम्मेदारी से निर्मित सोना
पता: होलीगेट के अंदर, मथुरा मो: 9634377555

KISNA
Shubh Akshaya Tritiya
GOPAL JI
JEWELLERS
Gold Silver Diamond
Lifetime Quality Assurance
Certified Purity jewellery
Exclusive gold Collections
Modern & Traditional jewellery
मिरगंज गली के सामने, होलीगेट अन्दर, तिलक द्वार, मथुरा
9368650610
E-mail : gopaljijewellers99@gmail.com

UMA MOTORS
MARUTI SUZUKI
VICTORIS S-CNG
अक्षय तृतीया
इस अक्षय तृतीया,
अपने सपनों की कार घर लाएं
Victoris S-CNG – 27.02 Km/Kg का शानदार माइलेज
₹1,40,000* की महा-बचत
India's First
Under-body CNG Tank.
Space and Safety Redefined.
GET BENEFITS UP TO ₹50,000*
ON EXCHANGE OF YOUR DIESEL CAR
T&C APPLY*
UMA MOTORS PVT. LTD.
(Authorised Dealer Maruti Suzuki India Ltd.)
9997682222, 9719051111
Maholi road NH-19 Mathura 281004
umamotors.mth.sal1@marutidealers.com
KOSI | RAYA | GOVERDHAN | BALDEV | NAUJHEEL

MAYANK CHAINS
JEWELS
Happy Akshaya Tritiya
Deals In All Kind Of Gold, Diamond, Antique, Kundan Jewellery And Chains.
18ct-20ct-22ct hallmarked Gold
Exclusive 925 Sterling Silver JEWELLERY AND ARTICLES
Wholesale & Retail
Koyala Gali, Holigate Mathura
Mayank : 9837009434, Aviral : 7060508045

# जीएलए में एलुमनाई इंटरैक्शन छात्रों को मिली करियर की दिशा

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा में आयोजित अल्यूमिनाई इंटरैक्शन के दौरान अल्यूमिनाई के साथ छात्र–छात्राएं एवं पदाधिकारीगण ।

**यूनिक समय, मथुरा ।** जीएलए विश्वविद्यालय के कंप्यूटर इंजीनियरिंग एवं एप्लीकेशंस विभाग द्वारा एलुमनाई इंटरैक्शन 2026 का सफल आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न अग्रणी कंपनियों में कार्यरत एलुमनाई एवं उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लेकर छात्रों को उभरती तकनीकी दुनिया के लिए तैयार होने के महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

कार्यक्रम के अंतर्गत क्लाउड कंप्यूटिंग एवं डेवऑप्स, फुल स्टैक डेवलपमेंट, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों पर आधारित पाँच सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों के माध्यम से छात्रों को वर्तमान उद्योग प्रवृत्तियों, आवश्यक कौशलों तथा कंपनियों की अपेक्षाओं की गहन जानकारी प्राप्त हुई। क्लाउड कंप्यूटिंग एवं डेवऑप्स सत्र में बांके शर्मा (प्रिंसिपल इंजीनियरिंग मैनेजर, माइक्रोसॉफ्ट) ने मजबूत तकनीकी नींव, निरंतर सीखने की प्रवृत्ति और समस्या–समाधान क्षमता को सफलता की कुंजी बताया। वहीं भूपेश शर्मा (सॉल्यूशंस आर्किटेक्ट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज) ने स्केलेबल समाधान विकसित करने के लिए व्यावहारिक ज्ञान और वास्तविक अनुभव के महत्व पर जोर दिया। फुल स्टैक डेवलपमेंट सत्र में राज कुमार दुबे (वाइस प्रेसिडेंट, जेपी मॉर्गन) ने नवाचार को उपयोगी उत्पादों में बदलने की प्रक्रिया को समझाया और टीमवर्क के साथ यूजर–केंद्रित सोच को आवश्यक बताया। अविनाश गर्ग (प्रिंसिपल सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग मैनेजर, माइक्रोसॉफ्ट) ने अपने कैंपस से कॉर्पोरेट तक के सफर को साझा करते हुए छात्रों को निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। डेटा एनालिटिक्स सत्र में कंचन वरंदानी (एवीपी डेटा साइंटिस्ट, बार्कलेज) ने डेटा–आधारित निर्णय लेने की आवश्यकता पर बल दिया, जबकि डॉ.

## जीएलए में माइक्रोसॉफ्ट, जेपी मॉर्गन, एक्सेंचर, पीडब्लूसी सहित अग्रणी कंपनियों में कार्यरत विशेषज्ञों ने किया मार्गदर्शन

आदित्य शुक्ला (सीनियर टेक्निकल लीडर, सिस्को) ने बदलते तकनीकी परिवेश में नेतृत्व क्षमता, नवाचार और अनुकूलनशीलता को महत्वपूर्ण बताया। साइबर सिक्योरिटी सत्र में प्रांकुर चतुर्वेदी (मैनेजर, पीडब्लूसी) ने वर्तमान सुरक्षा चुनौतियों और डेटा सुरक्षा की बढ़ती आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वहीं गौरव डांग (सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट, केडेन्स डिजाइन सिस्टम्स) ने मजबूत प्रोग्रामिंग आधार और स्केलेबल सिस्टम डिजाइन के महत्व को रेखांकित किया। मौनू सिंघल (टेक्निकल मैनेजर) ने तकनीकी प्रोजेक्ट प्रबंधन से जुड़े अपने व्यावहारिक अनुभव साझा किए। एआई–ड्रिवन फ्यूचर सत्र में विजय सागर (प्रिंसिपल मैनेजमेंट कंसल्टेंट, एक्सेंचर) ने व्यवसायिक बदलाव में तकनीक की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया, जबकि कौशलेंद्र मिश्रा (सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर, माइक्रोसॉफ्ट) ने एआई और क्लाउड सिक्योरिटी के बढ़ते प्रभाव पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन एलुमनाई इंचार्ज प्रो. आशीष शर्मा एवं डॉ. मोनिका दत्ता के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर डीन इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, डॉ. अशोक भंसाली ने कहा कि ऐसे इंटरैक्शन विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान के साथ–साथ वास्तविक उद्योग अनुभव से जोड़ते हैं और उनके करियर को स्पष्ट दिशा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ, जहां छात्र न केवल प्रेरित नजर आए, बल्कि अपने भविष्य को लेकर अधिक सजग और तैयार भी दिखे।

# अक्षय तृतीया से पहले खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

खाद्य विभाग की टीम छापे मारी करते हुए।

**यूनिक समय, मथुरा।** आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की सचल टीम ने कार्रवाई की। सूचना के आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह, दलवीर सिंह, अरुण कुमार, धर्मेंद्र सिंह एवं रामनरेश की टीम ने छटीकरा–वृंदावन स्थित अग्रवाल मिष्ठान भंडार पर छापेमारी की। सूचना मिली थी कि अक्षय तृतीया के अवसर पर अमरचंद नामक व्यक्ति द्वारा धौलपुर (राजस्थान) से बड़े पैमाने पर मिलावटी पेड़ा सप्लाई करने की तैयारी की जा रही है। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ज्ञानपाल सिंह के नेतृत्व में टीम ने त्वरित कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान मौके पर मौजूद सूरज अग्रवाल की दुकान का निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि प्लास्टिक की बोरियों में अस्वच्छ परिस्थितियों में पेड़ा, मिल्क केक और

## 1.10 लाख की मिलावटी मिठाई कराई नष्ट

## वृंदावन–छटीकरा में छापेमारी, नमूने जांच के लिए भेजे गए

बर्फी भंडारित की गई थी, जिसे सप्लाई के लिए तैयार किया जा रहा था। टीम ने पेड़ा के 7, मिल्क केक के 2 और बर्फी का 1 नमूना लेकर कुल 10 नमूने संग्रहित किए। साथ ही लगभग 220 किलो पेड़ा, 90 किलो मिल्क केक और 40 किलो बर्फी, जिसकी अनुमानित कीमत 1.10 लाख रुपये थी, विक्रेता की सहमति से नष्ट करा दी गई। इसके अलावा मानसी गंगा, गोवर्धन क्षेत्र से भी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों मोहर सिंह कुशवाह और भरत सिंह द्वारा पेड़ा के 4 नमूने लिए गए।

## आईएमए मथुरा की नई कार्यकारिणी गठित

# डॉ. बीसी गोयल बने अध्यक्ष

**यूनिक समय, मथुरा।** आईएमए मथुरा की नई कार्यकारिणी का गठन एक स्थानीय होटल में चुनाव अधिकारी डॉ. अशोक अग्रवाल एवं डॉ. मनोज गुप्ता की उपस्थिति में चुनाव संपन्न कराया गया। जिसमें डॉ. बीसी गोयल को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उपाध्यक्ष पद पर डॉ. राजीव मित्तल, डॉ. राजीव अग्रवाल, डॉ. मोहित गुप्ता एवं डॉ. वर्षा तिवारी को जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं डॉ. ललित वार्ष्णेय को सचिव तथा डॉ. सिद्धार्थ धनगर व डॉ. अनु गोयल को संयुक्त सचिव बनाया गया। इसके अलावा अन्य पदों पर डॉ. शैफाली सिंगल, डॉ. मनिका भाटी (कल्चरल सेक्रेटरी), डॉ. अंशुल गोयल (इवेंट मैनेजर), डॉ. अंचल गोयल (साइंटिफिक सेक्रेटरी), डॉ. विश्वेंद्र (कोषाध्यक्ष), डॉ. प्रवीण गोयल (इंसीनरेटर इंचार्ज), डॉ. विपुल गोयल (बिल्डिंग इंचार्ज), डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. नेहा मित्तल (स्पोर्ट्स सेक्रेटरी), डॉ. हार्दिक जैन, डॉ. देवेंद्र अग्रवाल, डॉ. राघव कुमार, डॉ. एसके जैन (सेंट्रल रिप्रेजेंटेटिव), डॉ. प्रेम पाल भाटी, डॉ. सोभित गुप्ता, डॉ. अंकित अग्रवाल, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. दिलीप शर्मा, डॉ. विनय तिवारी, डॉ. रितिन गोयल, डॉ. पवन अग्रवाल, डॉ. एसके गुप्ता एवं डॉ. शिखा गुप्ता (स्टेट रिप्रेजेंटेटिव) शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान नव–निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत किया गया और संगठन को आगे मजबूत बनाने पर जोर दिया गया।

# ठाकुर राधारस बिहारी महाराज का चतुर्थ पाटोत्सव शुरू

ठाकुर राधारस बिहारी महाराज का चतुर्थ पाटोत्सव के निमंत्रण कार्ड का विमोचन करते महंत चंद्र दास महाराज के साथ अन्य संत।

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, वृंदावन।** परिक्रमा मार्ग के कालिदाह के निकट स्थित ठाकुर राधारसबिहारी महाराज का पाटोत्सव आज से शुरू हो गया। ठाकुर राधारसबिहारी महाराज मंदिर के महंत चंद्र दास महाराज ने बताया कि बताया कि इस बार ठाकुर राधारसबिहारी महाराज का चतुर्थ प्रकटोत्सव सप्त दिवसीय आयोजनों के साथ मनाया जाएगा। आज से शुरू हुआ प्रकटोत्सव 25 अप्रैल तक फोगला आश्रम में होगा। वहीं उन्होंने बताया कि साधु संतों की संगोष्ठी भी होगी। संगोष्ठी में गो माता, सनातन धर्म, श्रीकृष्ण जन्मभूमि जैसे धार्मिक मुद्दों पर चर्चा कर सभी साधु संत अपने अपने विचार व्यक्त करेंगे। इस मौके पर महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज, महंत दशरथ दास महाराज, महंत बालक दास महाराज, अतुल कृष्ण महाराज आदि भक्त परिकर मौजूद थे।

# सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत 10 तीर्थयात्री हुए रवाना

सोमनाथ मंदिर के लिए तीर्थयात्रियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते जिलाधिकारी सीपी सिंह।

**यूनिक समय, मथुरा।** जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत जनपद के 10 तीर्थयात्रियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सभी यात्री पहले लखनऊ पहुंचे और रविवार को वहां से स्पेशल ट्रेन द्वारा सोमनाथ मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे। इस दल में प्रगतिशील किसान हरिपाल सिंह, अंतरराष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी कुंवरपाल, युवा व्यापार मंडल अध्यक्ष मनीष चतुर्वेदी, ग्राम प्रधान सुमित्रा देवी, उद्यमी मनीष कुमार अग्रवाल, एनआरएलएम उद्यमी सुंदरी कुमारी, भिही कला के उद्यमी कलुआ, शहीद की पत्नी विजय देवी, व्यापार संघ महामंत्री मृदुल अग्रवाल और ज्योतिषाचार्य विजय कुमार शर्मा

## डीएम ने बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

शामिल हैं। यात्रा के दौरान संकल्प संवाद, मंदिर दर्शन, लाइट एंड साउंड शो, म्यूजियम भ्रमण, भजन संध्या, रुद्राभिषेक, महाआरती, प्रवचन और स्थानीय स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। गुजरात के प्रभास पाटन में स्थित सोमनाथ मंदिर द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रथम माना जाता है। "सोमनाथ स्वाभिमान पर्व" का उद्देश्य देश की आस्था, संस्कृति और गौरव को याद करना है। 75 वर्ष पूर्ण होने पर यह आयोजन किया जा रहा है, जो पुनर्निर्माण और आत्मविश्वास का संदेश देता है।

# परीक्षा में नकल रोकने को बनाया उड़ाका दस्ता

**यूनिक समय, मथुरा।** डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की कुलपति के आदेशानुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत संचालित स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की अप्रैल/मई 2026 की परीक्षाओं के सुचारू, पारदर्शी, नकलविहीन एवं शुचिता पूर्ण संचालन को मथुरा जनपद के लिए उड़ाका दल के समन्वयकों की नियुक्ति की गई है। दल में वीडी कन्या महाविद्यालय आगरा की प्राचार्या प्रो. पूनम सिंह, केआर (पीजी) कॉलेज, मथुरा के डॉ. अशोक कुमार कौशिक को शामिल किया है। डॉ. कौशिक ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षाएं सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में पूर्णतः नकलविहीन एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई जाएंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

## अक्षय तृतीया पर वृन्दावन का ये है डायवर्जन प्लान

# कौन–कौन से मार्गों पर नहीं चलेंगे वाहन

**यूनिक समय, मथुरा।** 20 अप्रैल को अक्षय तृतीया के अवसर पर वृंदावन में लाखों लोग ठाकुर बाँके बिहारी जी के चरण दर्शन करने के लिए आते हैं। दर्शनार्थियों और परिक्रमा करने वालों की सुरक्षा एवं आवागमन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 19 अप्रैल को प्रातः आठ बजे से आयोजन समाप्ति तक वृन्दावन की यातायात व्यवस्था इस प्रकार रहेगी।

छटीकरा से वृन्दावन की ओर आने वाले समस्त प्रकार के कॉमर्शियल व भारी वाहन प्रतिबन्धित रहेंगे। वैष्णो देवी पार्किंग से सभी प्रकार के भारी वाहन बड़ी एवं छोटी बसें वृन्दावन की ओर पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेंगी। रुकमणि बिहार गोलचक्कर से केशवधाम से वृन्दावन की ओर समस्त प्रकार के भारी वाहन के आने को प्रतिबन्धित किया गया है ।

### कहां से बदला गया है वाहनों का रूट

छटीकरा–वृदांवन मार्ग पर मल्टीलेबल पार्किंग स्थल से आगे किसी प्रकार के वाहन को नहीं जाने दिया जाएगा। ग्राम जैत के पास कट एनएच–19 से रामताल चौराहा एवं सुनरख रोड की ओर भारी वाहनों को प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। मथुरा–वृदांवन मार्ग पर सौ सैया से आगे सभी प्रकार के (भारी/चार पहिया) वाहन प्रतिबन्धित रहेंगे। इसके साथ ही आईटीआई पार्किंग से टैम्पू/ई–रिक्शा के संचालन को प्रतिबन्धित किया गया है। गोकुल रेस्टोरेन्ट व कल्याणं करोति से मसानी चौराहा से वृन्दावन की ओर किसी भी प्रकार के भारी वाहन के संचालन पर प्रतिबंध किया गया है। वृन्दावन कट, पानीगांव से वृन्दावन की ओर सभी प्रकार के भारी वाहनों को नहीं आने दिया जाएगा। पानीगांव चौराहा / भोपत ढावा से सौ–सैय्या वृन्दावन की ओर भी सभी भारी वाहन पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेंगे। पानी घाट तिराहा (यमुना पुल) से परिक्रमा मार्ग की ओर वृन्दावन के लिए सभी प्रकार के वाहन प्रतिबन्धित रहेंगे। कैलाश नगर चौराहा से वृन्दावन की ओर सभी प्रकार के वाहनों के संचालन पर रोक लगाई गई है। चामुण्डा कट से वृन्दावन की ओर सभी प्रकार के वाहनों को नहीं आने दिया जाएगा। परिक्रमा मार्ग पर चार पहिया वाहन और ई–रिक्शा पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेंगे।

छटीकरा से वृन्दावन होते हुए यमुनाएक्सप्रेस वे की ओर जाने वाले सभी प्रकार के कॉमर्शियल व भारी वाहन छटीकरा से मथुरा टाउनशिप चौराहा से गोकुल बैराज मोड से लक्ष्मीनगर तिराहा से होते हुए यमुना एक्सप्रेस–वे की ओर जा सकेंगे। गोकुल रेस्टोरेन्ट व मसानी चौराहा से कस्वा वृन्दावन होते हुए यमुनाएक्सप्रेस वे की ओर जाने वाले सभी प्रकार के कॉमर्शियल व भारी वाहन गोकुल रेस्टोरेन्ट से मथुरा टाउनशिप चौराहा से गोकुल बैराज मोड से लक्ष्मीनगर तिराहा से होते हुए यमुना एक्सप्रेस–वे की ओर जा सकेंगे। यमुना एक्सप्रेस वे वृन्दावन कट से वृन्दावन होते हुए एनएच –19 को जाने वाले कॉमर्शियल व भारी वाहन यमुना एक्सप्रेस वे राया कट से लक्ष्मीनगर तिराह से गोकुल बैराज मोड़ से टाउनशिप चौराहा एनएच–19 की ओर जा सकेगे। आकस्मिक सेवाओं से जुडे सभी वाहन एम्बूलेन्स/फायर सर्विस प्रतिबंधों से मुक्त रहेंगे।

# पोस्टर प्रतियोगिता में शिवानी प्रथम विहान द्वितीय, गौरी तृतीय रहीं

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रमाण पत्र दिखाते बच्चे और साथ में हैं शिक्षिकाएं।

**यूनिक समय, मथुरा।** आरएनकेवी इंटर कॉलेज, औरंगाबाद में आज सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान के तत्वावधान में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 68 बच्चों ने भगवान श्रीराम के चित्रों में रंग भरकर भाग लिया। कार्यक्रम में बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था और सभी प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल में शामिल डॉक्टर उमा शर्मा और प्रधानाचार्य दिव्या शर्मा ने सभी पोस्टरों का गहन मूल्यांकन किया। उनके निर्णय के अनुसार शिवानी को प्रथम, विहान को द्वितीय और गौरी को तृतीय स्थान प्रदान किया गया। परिणाम घोषित होते ही उपस्थित बच्चों और अभिभावकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से विजेताओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान रजनी भट्ट और गौरव शर्मा ने विजेता बच्चों को गिफ्ट, मिठाई और पटका पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर रजनी भट्ट ने भगवान परशुराम के चित्र पर प्रकाश डालते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम के चित्र के पूजन से हुई, जिसमें उपस्थित महिलाओं और पुरुषों ने भाग लिया। अन्य प्रतिभागियों को भी प्रमाण पत्र और मिठाई देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पायल शर्मा, मोनिका शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा और नारायण प्रसाद शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे।

# परशुराम जयंती पर कराई अनेक प्रतियोगिताएं, विजेता पुरस्कृत

कृष्ण चन्द्र गांधी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज, माधव कुंज में भगवान परशुराम की जयंती पर आयोजित प्रतियोगिता में विजयी छात्र–छात्राएं पुरस्कार पाने के बाद शिक्षकों के साथ।

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, मथुरा।** कृष्ण चन्द्र गांधी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज, माधव कुंज में भगवान परशुराम जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के अध्यक्ष सूर्यनारायण तिवारी, मुख्य वक्ता उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के पूर्व रजिस्ट्रार रघुनाथ प्रसाद तिवारी, पूर्व जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. एसपी गोस्वामी, प्रांतीय संगीत प्रमुख राजीव शर्मा, प्रधानाचार्य विनय कुमार सिंह ने किया।

उपप्रधानाचार्य राजीव पाठक ने अतिथियों का परिचय कराया। इस अवसर पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा कला प्रमुख रविंद्र कुमार ने की। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संयुक्त रूप से मनीष गोला व कृष्णा साहू, द्वितीय स्थान साक्षी शुक्ला, तृतीय स्थान संयुक्त रूप से लव ठाकुर व अभय शर्मा ने प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा हिन्दी विषय विशेषज्ञ डॉ. दीप्ति तिवारी ने की। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संयुक्त रूप से यश सोनी व हिमाशुं लोधी, द्वितीय स्थान मंयक पटेल व तृतीय स्थान शिव कुमार ने प्राप्त किया। सभी विजेता छात्र–छात्राओं कोसम्मानित किया।

# सैनी समाज की उपेक्षा राजनीतिक क्षेत्र में सहन नहीं की जाएगी

नगला चिरंजी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान महात्मा ज्योतिराव फुले को पुष्पांजलि अर्पित करते अतिथि।

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, मथुरा।** शिक्षा के अग्रदूत महात्मा ज्योतिराव फुले के 199वें जन्मोत्सव की श्रृंखला में जमुनापार स्थित नगला चिरंजी में पुष्पांजलि, संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गिर्राज सैनी ने की। संयोजन मुकेश सैनी, संचालन राम अचल मौर्य एवं ओमप्रकाश सैनी ने किया।

मुख्य अतिथि सपा नेता अनिल अग्रवाल ने कहा कि बहुजन महापुरुषों एवं पीडीए का सपना सैनी समाज के बिना पूरा नहीं हो सकता। जिला सैनी सभा के अध्यक्ष एडवोकेट महेश सैनी ने कहा कि सैनी समाज की उपेक्षा राजनीतिक क्षेत्र में सहन नहीं की जाएगी, जिसके लिए सैनी समाज को राजनीतिक रूप से एकजुट होना होगा। इस मौके पर रमेश सैनी, बुद्धिलाल सैनी, मुकेश सैनी, समता फाउंडेशन के अध्यक्ष लुकेश कुमार राही, प्रदेश सचिव जागेश्वर यादव, रमेश सैनी पीडब्ल्यूडी वाले, बृजमोहन सैनी पूर्व पार्षद, डॉ. अशोक सैनी, गोपी सैनी, भूपेन्द्र सैनी, राम अचल मौर्य, डॉ. राजकुमार सैनी तथा जितेन्द्र सैनी आदि उपस्थित थे।

# राजीव एकेडमी के पांच विद्यार्थियों ने भरी करियर की ऊंची उड़ान

**यूनिक समय, मथुरा।** राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी मेधा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित ऑनलाइन एज्यूकेशन प्लेटफॉर्म मावरिक एज्यूकेशन में शानदार प्लेसमेंट हासिल कर संस्थान को गौरवान्वित किया है। मावरिक एज्यूकेशन ने एमबीए तथा बीबीए को दो–दो एवं बीईकॉम पाठ्यक्रम के एक विद्यार्थी को रुपये 6.8 लाख वार्षिक पैकेज पर नियुक्ति प्रदान की है। संस्थान के हेड कॉरपोरेट रिसोर्स डॉ. विकास जैन ने बताया कि राजीव एकेडमी में लगातार उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप छात्र–छात्राओं को तैयारी कराई जाती है। इतना ही नहीं नियमित ट्रेनिंग, इंडस्ट्री इंटरेक्शन और प्लेसमेंट ड्राइव के मौके उपलब्ध कराकर उनके सपनों को साकार किया जाता है। डॉ. जैन ने बताया कि हाल ही में अग्रणी ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म मावरिक एज्यूकेशन ने प्लेसमेंट प्रक्रिया के माध्यम से संस्थान के पांच छात्र–छात्राओं को उच्च पैकेज पर सेवा का अवसर प्रदान किया है। चयनित विद्यार्थियों में अमीषा शर्मा एवं कुलदीप डागर (एमबीए), लक्ष्मी शर्मा एवं समीक्षा अग्रवाल (बीबीए) तथा जीवेश शर्मा (बीईकॉम) शामिल हैं। इन सभी विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, लगन और कौशल के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है।

मावरिक एज्यूकेशन की चयन प्रक्रिया में हिस्सा लेते राजीव एकेडमी के विद्यार्थी।

डॉ. जैन ने बताया कि मावरिक एज्यूकेशन एक अग्रणी ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म है, जोकि विद्यार्थियों को आकर्षक एवं प्रभावी लर्निंग वातावरण के माध्यम से उनके प्रोफेशनल स्किल्स को विकसित करने का अवसर प्रदान करता है। यह संस्था कंटेंट, टेक्नोलॉजी, मार्केटिंग और सर्विसेज के समन्वय से इंडस्ट्री–रेलेवेंट एवं उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा को व्यापक स्तर पर उपलब्ध कराने के लिए कार्यरत है। आरके एज्यूकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज अग्रवाल तथा संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने चयनित विद्यार्थियों को शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, लगन और संस्थान द्वारा प्रदान किए गए उद्योग–उन्मुख प्रशिक्षण का परिणाम है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी वातावरण में विद्यार्थियों के लिए तकनीकी ज्ञान के साथ–साथ

### मावरिक एज्यूकेशन में मिला 6.8 लाख रुपये का वार्षिक पैकेज

व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल और व्यावहारिक समझ भी अत्यंत आवश्यक है। संस्थान विद्यार्थियों को इन सभी पहलुओं में सुदृढ़ करने के निरंतर प्रयास करता है, ताकि वे कॉर्पोरेट जगत की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि राजीव एकेडमी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ–साथ बेहतर रोजगार के अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि राजीव एकेडमी विद्यार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने के लिए निरंतर नए प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं और प्लेसमेंट गतिविधियां आयोजित करती रहती है। डॉ. सक्सेना ने कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का कार्य करेगी तथा उन्हें अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए और अधिक मेहनत करने को प्रेरित करेगी।

# टीबी से उबरने में व्यवहार और सहयोग तंत्र की अहम भूमिका

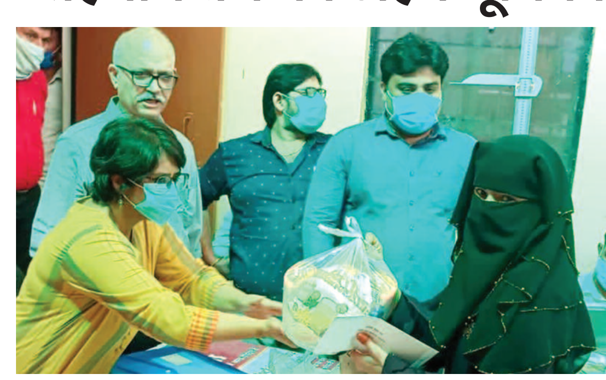

**यूनिक समय, मथुरा।** विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर टीबी उन्मूलन को लेकर नई प्रतिबद्धताएं सामने आती हैं, जिनमें बेहतर जांच, मुफ्त इलाज और सरकारी योजनाएं शामिल हैं। भारत ने दवाओं की उपलब्धता में प्रगति की है, फिर भी वैश्विक टीबी बोझ में उसकी हिस्सेदारी अधिक बनी हुई है। यह स्पष्ट करता है कि समस्या केवल चिकित्सा नहीं, बल्कि व्यवहार और सामाजिक सहयोग से भी जुड़ी है।

टीबी का इलाज छह महीने या उससे अधिक समय तक चलता है, जिसमें दवा का नियमित सेवन बेहद जरूरी है। कई मरीजों में लक्षण कम होते ही दवा छोड़ देते हैं, जिससे बीमारी दोबारा होने और ड्रग रेजिस्टेंस का खतरा बढ़ता है। इसके पीछे जागरूकता की कमी, आर्थिक दबाव और सामाजिक परिस्थितियां मुख्य कारण हैं। देखभालकर्ता (केयरगिवर) इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परिवार का सहयोग मरीज को दवा लेने, पोषण बनाए रखने और समय पर जांच कराने में मदद करता है। वहीं सामाजिक कलंक के कारण कई मरीज बीमारी छिपाते हैं, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार, टीबी नियंत्रण के लिए केवल दवाएं पर्याप्त नहीं हैं। पोषण, व्यवहार परिवर्तन, जागरूकता और सामुदायिक सहयोग को भी समान महत्व देना होगा, तभी टीबी उन्मूलन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

## सुविचार

हर सुबह नई उम्मीद लेकर आती है, बस खुद पर विश्वास बनाए रखें।

## कल का पंचांग

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| तिथि | तृतीया | 10:49-07:27 तक | पक्ष | शुक्ल पक्ष |
| नक्षत्र | भरणी | 09:42- 07:10 तक | माह | बैशाख |
| सूर्योदय | | 5:55 AM | चन्द्रोदय | 06:48 AM |
| सूर्यास्त | | 6:41 PM | चंद्रास्त | 09:08 PM |
| सूर्य राशि | मेष राशि | | चंद्र | मेष राशि |
| शुभ मुहूर्त | 11:53AM -12:44 PM | | ब्रहम् मुहूर्त | 04:26-05:14 |
| त्योहार/व्रत | | | विक्रम संवत् | 2083 |
| राहुकाल | 05:06 PM: 06:41 PM | | वार | रविवार |

## ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

### महादेव-पार्वती की 8वीं संतान देवी मनसा की कथा

# ऐसे मिली भगवान शिव को हलाहल विष से मुक्ति

**यूनिक समय, मथुरा।** वर्षा ऋतु शुरू होने में कुछ दिन ही बाकी हैं। इस मौसम में नागों और विषैले सर्पों का प्रकोप बढ़ जाता है। इससे बचने के लिए भादो माह में देवी मनसा की विशेष पूजा की जाती है। पौराणिक कथाओं में मनसा देवी को सर्पों की माता के रूप वर्णित किया गया है। उन्हें भगवान शिव और देवी पार्वती की आठवीं संतान भी माना जाता है। शिवजी ने इन इनका विवाह जरत्कारू ऋषि के साथ करवाया था, जिससे आस्तिक मुनि का जन्म हुआ था। आस्तिक मुनि ने जनमेजय के नागेष्ठी यज्ञ से नागवंश की रक्षा की थी।

देवी मनसा की उत्पति की कथा 'मनसाविजय' नामक ग्रंथ में वर्णित है। इस ग्रंथ की कथा के अनुसार, नागराज वासुकि की माता ने एक नागकन्या की प्रतिमा का निर्माण किया था। दैव योग से इस प्रतिमा का स्पर्श भगवान शिव के वीर्य से हो गया। इससे वह नागकन्या जीवित हो उठी। भगवान शिव उस कन्या को कैलाश पर्वत पर लेकर गए।भगवान शिव के साथ मनसा को देखकर देवी पार्वती क्रोधित हो गईं और उन्होंने मनसा को खत्म करने के लिए देवी चंडी का रूप धारण कर लिया। तब भगवान शिव ने मनसा की उत्पत्ति का रहस्य बताया कि वे उनकी और पार्वती की बेटी हैं। तब जाकर देवी पार्वती का क्रोध शांत हुआ और उन्होंने मनसा को शिव परिवार में शामिल कर पुत्री का प्रेम दिया। अमृत मंथन से निकले हलाहल विष को पीने के बाद भगवान शिव उसकी ऊष्मा (गर्मी) से काफी अशांत हो गए थी। इसका एक ही उपाय था कि हलाहल विष को किसी और में स्थानान्तरित किया जाए। लेकिन भगवान शिव के अलावा ब्रह्मांड में ऐसा कोई नहीं था। तब ब्रह्मा जी ने बताया कि देवी मनसा उनकी ही मानसपुत्री हैं, जो हलाहल को धारण कर सकती हैं। ब्रह्मा जी के अनुरोध पर देवी मनसा ने हलाहल विष के अधिकांश भाग को भगवान शिव से ले लिया। तब जाकर महादेव शिव हलाहल विष के नकारात्मक असर से मुक्त हो पाए। शिवजी का विष हर लेने के बाद ब्रह्मा जी ने मनसा का नाम 'विषहरी' रख दिया।

कहते हैं, महाभारत युद्ध के दौरान ज्येष्ठ पांडुपुत्र युधिष्ठिर ने युद्ध की शीघ्र समाप्ति और विजय प्राप्ति के लिए कुरुक्षेत्र से थोड़ी दूर सालवन गांव वर्तमान में करनाल में स्थित में देवी मनसा की पूजा की थी। उनके आशीर्वाद से पांडवों को महाभारत युद्ध में जीत मिली थी।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

## मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

## कल का राशिफल

**मेषः** कल आपका आत्मविश्वास ऊंचा रहेगा और कार्यक्षेत्र में गति बनी रहेगी। हालांकि जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें, परिवार का साथ सुकून देगा।

**वृषभः** आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाना जरूरी रहेगा। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात मन को प्रसन्न कर सकती है।

**मिथुनः** नए काम की शुरुआत के लिए दिन अनुकूल है और योजनाएं सफल हो सकती हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी बुद्धिमत्ता और संवाद कौशल की सराहना होगी।

**कर्कः** भावनात्मक संतुलन बनाए रखना जरूरी रहेगा, छोटी बातों को दिल पर न लें। परिवार के साथ समय बिताने से मन हल्का और खुश रहेगा।

**सिंहः** आत्मविश्वास के बल पर रुके हुए कार्य पूरे होंगे। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति का सहयोग मिलने से प्रगति के रास्ते खुलेंगे।

**कन्याः** स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न बरतें और दिनचर्या व्यवस्थित रखें। नौकरी या कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

**तुलाः** रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी और आपसी समझ बेहतर होगी। निवेश करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा।

**वृश्चिकः** मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा और कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी। परिवार में किसी शुभ समाचार से खुशी का माहौल बनेगा।

**धनुः** यात्रा के योग बन रहे हैं, जो भविष्य में लाभदायक सिद्ध हो सकते हैं। शिक्षा और करियर से जुड़े प्रयास सफल रहेंगे।

**मकरः** आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं, लेकिन अनावश्यक खर्चों से बचें। पुराने विवाद सुलझने से मानसिक शांति मिलेगी।

**कुंभः** नए संपर्क और रिश्ते बनेंगे, जो आगे चलकर लाभ देंगे। अपने विचारों को स्पष्टता से रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

**मीनः** रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी और मन प्रसन्न रहेगा। जीवनसाथी या परिवार का सहयोग आत्मविश्वास बढ़ाएगा और संतुलन बनाए रखेगा।

# मृत व्यक्ति के लिए क्यों करते हैं शय्या दान?

**यूनिक समय, मथुरा।** सनातन धर्म में किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद 13 दिन तक विशेष संस्कार और कर्मकांड किए जाते हैं। इनमें से एक महत्वपूर्ण कर्म है शय्या दान, जो एकादशाह (11वें दिन) और द्वादशाह (12वें दिन) किया जाता है। यह दान मृतक की आत्मा की शांति और यमदूतों की पीड़ा से मुक्ति के लिए किया जाता है।

**शय्या दान का महत्वः** गरुड़ पुराण के अनुसार, शय्या दान से मृतात्मा को प्रलय काल तक सुख की प्राप्ति होती है। यह आत्मा को धूप, ठंड जैसी कठिनाइयों से बचाता है। ब्राह्मण को शय्या दान करने से दाता को भी स्वर्ग में 10,000 वर्षों तक आनंद मिलता है। इस दान से मृतक की आत्मा यमराज के दूतों की यातना से मुक्त होती है।

**शय्या दान की विधिः** शय्या में पलंग, गद्दा, तकिया, चादर आदि रखकर उसे चार दिशाओं के अनुसार सजाया जाता है। ईशान कोण में घी का कलश, अग्नि कोण में कुमकुम, नैऋत्य में गेहूं, वायव्य में जल तथा सिरहाने के पास घी से भरा पात्र रखते हैं। शय्या पर मृतक की प्रिय वस्तुएं, फल, फूल, भोजन, वस्त्र, जपमाला आदि भी रखे जाते हैं।

**एकादशाह और द्वादशाह में अंतरः** एकादशाह की शय्या को प्रेत शय्या कहते हैं, जिसमें सिरहाना उत्तर की ओर होता है और इसमें सोने की प्रेत मूर्ति रखी जाती है। द्वादशाह की शय्या पितृ यज्ञ के लिए होती है, जिसमें सिरहाना दक्षिण की ओर होता है और इसमें लक्ष्मी-नारायण की मूर्ति रखी जाती है।

# आपको बदलकर रख देंगे नीम करौली बाबा के ये विचार

## टेंशन हो जाएगी दूर, जीवन में रहेगी शांति

**यूनिक समय, मथुरा।** कैंची धाम वाले नीम करौली बाबा के देश विदेश में लाखों अनुयायी हैं, जो मन की शांति के लिए बाबा के आश्रमों में खिंचे चले आते हैं। बाबा और उनके विचारों के स्मरण मात्र से दिव्यता का अहसास करते हैं। आइये जानते हैं नीम करोली बाबा के अलौकिक विचार कौन से हैं ..

नीम करौली बाबा दिव्य संत थे, जिनका प्रमुख आश्रम उत्तराखंड के कैंची धाम में है। उनका जीवन भक्ति, सेवा और प्रेम का अनुपम उदाहरण था। उनका जीवन करुणा, सादगी और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत था।

उनका बजरंगबली से ऐसा जुड़ाव था कि बहुत से भक्त उनमें हनुमानजी को ही देखते थे। बाबा ने भक्ति के शास्त्रीय या कठिन मार्ग की जगह बेहद आसान व्यवहारिक व्यक्तिगत मार्ग की ओर भक्तों को प्रेरित किया, जो सहज ही लोगों को समझ में आ

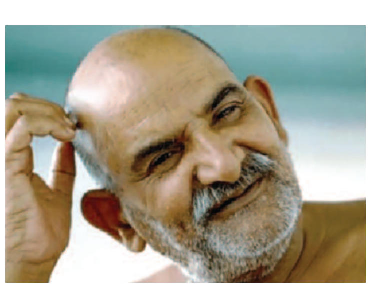

जाता है. इसी कारण मन की शांति की तलाश में लाखों भक्त बाबा नीम करौली के आश्रमों में आते हैं। उनकी शिक्षाएं आज भी लोगों को रास्ता दिखाती हैं और जीवन में शांति लाती हैं। आइये जानते हैं बाबा की प्रमुख शिक्षाएं, जिनका हर व्यक्ति को अनुसरण करने की कोशिश करनी चाहिए।

**सब एक हैः** बाबा नीम करौली के अनुसार ईश्वर की नजर में सभी व्यक्ति समान हैं, सभी में परमात्मा का अंश है। इसलिए सब एक हैं और किसी से भेदभाव नहीं करना चाहिए। भूलकर भी यह मेरा है वह पराया है, यह छोटा है और वह बड़ा है का विचार मन में नहीं लाना चाहिए। सबको समान समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए।

**सबसे प्यार करनाः** ईश्वर से जुड़ने का माध्यम निःस्वार्थ प्रेम ही है, इसलिए सभी मनुष्य और सभी जीव से प्यार करना चाहिए।

**सबकी सेवा करनाः** मनुष्य की जितनी सामर्थ्य हो, दूसरों की सेवा करनी चाहिए। इससे ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है।

हालांकि यह सेवा बिना किसी स्वार्थ के करनी चाहिए और इसका अहंकार मन में नहीं आने देना चाहिए।

**सच बोलनाः** किसी भी परिस्थिति में सच्चाई का साथ नहीं छोड़ना चाहिए।

भगवान का ध्यानः व्यक्ति को मन वचन कर्म में ईश्वर का ध्यान रखना चाहिए और कभी भी भूलना नहीं चाहिए।

**क्रोध नहीं करना चाहिएः** क्रोध मन की शांति को नष्ट कर देता है, इसलिए इससे दूर ही रहना चाहिए। कम से कम बोलना चाहिए, क्योंकि मौन रहने पर आत्मा की आवाज सुनाई देती है।

**बजरंगबली की उपासना करना और राम राम मंत्र जपनाः** भगवान बजरंग बली के राम नाम मंत्र को जपना चाहिए और उनका ध्यान रखना चाहिए।

**दूसरों की निंदा से बचोः** महाराजजी ने हमेशा भक्तों को सिखाया कि हर व्यक्ति को धरती पर अपने हिसाब से जीना है और अपनी यात्रा पूरी करनी है। इसलिए किसी की निंदा न करो और ईर्ष्या आदि दुर्गुणों से जितना संभव हो, बचे।

**संतोष सबसे बड़ा धनः** बाबा नीम करोली के अनुसार संतोष से बड़ा कोई धन नहीं है, जिसने संतोष करना सीख लिया उसके जीवन में सुकून आ जाएगा, उसे कोईचिंता नहीं सताएगी और न ही कोई टेंशन रहेगी। क्योंकि संसार की अधिकतर समस्याओं की जड़ में और अधिक पाने की लालसा ही है।

**ईश्वर पर भरोसाः** बाबा नीम करौली के अनुसार ईश्वर पर भरोसा कभी नहीं खोना चाहिए, क्योंकि इस संसार में हर चीज ईश्वर की मर्जी से ही होता है और ईश्वर कभी गलत काम नहीं कर सकते।

## व्रत-त्योहार का कैलेंडर 2026

- 19 अप्रैल: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल: भौम प्रदोष व्रत
- 1 मई : वैशाख पूर्णिमा
- 5 मई: एकदन्त संकष्टी
- 13 मई: अपरा एकादशी
- 14 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई: ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई : ज्येष्ठ शनि अमावस्या
- 20 मई : वरद चतुर्थी
- 27 मई: पद्मिनी एकादशी
- 28 मई: गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई: ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा

## सम्पादकीय

# नारी शक्ति वंदन पर टकराव, समाधान अभी अधूरा

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में जब कोई मुद्दा सर्वसम्मति से आगे बढ़ना चाहिए, वहीं अगर वह राजनीतिक टकराव में उलझ जाए तो चिंता होना स्वाभाविक है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर एक बार फिर वही स्थिति बनती दिख रही है। संसद में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने की बात सभी दलों को स्वीकार है, लेकिन जैसे ही इसे लागू करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ते हैं, नए विवाद सामने आ जाते हैं। यही इस पूरे मुद्दे का सबसे बड़ा विरोधाभास है। हाल ही में प्रस्तुत संशोधन विधेयकों ने इस बहस को और उलझा दिया है। लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करने और परिसीमन के आधार पर आरक्षण लागू करने का प्रस्ताव अपने साथ नई राजनीतिक खींचतान लेकर आया है। विपक्ष का कहना है कि महिला आरक्षण को मौजूदा सीटों के आधार पर ही लागू किया जाए, जबकि सरकार परिसीमन के बाद नई व्यवस्था लागू करना चाहती है। दोनों पक्ष अपने-अपने तर्कों के साथ खड़े हैं, लेकिन इस बहस में असली मुद्दा कहीं पीछे छूटता दिख रहा है–महिलाओं की वास्तविक भागीदारी। यह पहली बार नहीं है जब महिला आरक्षण का मुद्दा अटक रहा है। बीते तीन दशकों में कई बार उम्मीद जगी कि अब यह सपना साकार होगा, लेकिन हर बार राजनीति की जटिलताओं ने रास्ता रोक लिया।

पवन गौतम
संपादक

कभी सहमति का अभाव, कभी समय की कमी और कभी चुनावी गणित–हर बार कोई न कोई कारण सामने आ गया। सवाल यह है कि जब सभी दल सैद्धांतिक रूप से इसके पक्ष में हैं, तो फिर व्यवहार में सहमति क्यों नहीं बन पाती? आज संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बेहद सीमित है। 543 सदस्यों में सिर्फ लगभग 15 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो दुनिया के कई देशों से कम है। यह स्थिति उस देश के लिए विडंबना है, जो खुद को सबसे बड़ा लोकतंत्र कहता है। अगर आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त रूप से शामिल नहीं है, तो लोकतंत्र का संतुलन स्वाभाविक रूप से कमजोर पड़ता है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुधार राजनीतिक रणनीति का हिस्सा बनता जा रहा है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु चुनावों के बीच विशेष सत्र बुलाने पर सवाल उठाए जा रहे हैं, जिससे यह संदेश जाता है कि इस मुद्दे को भी राजनीतिक लाभ–हानि के चश्मे से देखा जा रहा है। वास्तविकता यह है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम सिर्फ एक कानून नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम है। इसे लागू करने में देरी या टकराव केवल महिलाओं के अधिकारों को ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह विपक्ष को विश्वास में लेकर आगे बढ़े, और विपक्ष का भी दायित्व है कि वह इस मुद्दे को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर रखे।अंततः, यह समय टकराव का नहीं, सहमति का है। अगर सभी दल वास्तव में महिलाओं को सशक्त बनाना चाहते हैं, तो उन्हें अपने मतभेदों को दरकिनार कर एक साझा रास्ता निकालना होगा। क्योंकि नारी सशक्तिकरण कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता है।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

## नजरिया

### दस रुपये का अपराध, 25 साल की सजा

# सिस्टम का सबसे महंगा मजाक

बोधप्रकाश सगुणी

कहते हैं कि न्याय अगर समय पर न मिले तो वह न्याय नहीं, एक लंबा खिंचा हुआ अन्याय बन जाता है। लेकिन हमारे देश की न्यायिक और प्रशासनिक व्यवस्था में कई बार ऐसा होता है कि न्याय इतना देर से आता है कि वह राहत से ज्यादा एक कड़वा व्यंग्य बनकर रह जाता है। हाल ही में सामने आया एक मामला इसी विडंबना का जीवंत उदाहरण है, जहां महज 10 के आरोप में एक रेलवे कर्मचारी को नौकरी से निकाल दिया गया और 25 साल बाद अदालत ने कहा–आरोप साबित ही नहीं हुए। अब सवाल यह है कि इन 25 सालों का हिसाब कौन देगा?

नारायण नायर, एक साधारण रेलवे टिकट क्लर्क, जिनकी जिंदगी का सबसे बड़ा अपराध शायद यह था कि उन्होंने भीड़भाड़ वाले काउंटर पर काम करते हुए किसी यात्री को 10 कम लौटा दिए–या शायद वह भी नहीं किया। उस दौर में न तो डिजिटल टिकटिंग थी, न ही कोई ऑटोमेटेड सिस्टम। सब कुछ हाथ से होता था–टिकट देना, पैसे लेना, बाकी लौटाना। भीड़ इतनी होती थी कि कई बार सांस लेने का भी समय नहीं मिलता था। ऐसे में छोटी–मोटी गलती होना असंभव नहीं, बल्कि स्वाभाविक है। लेकिन सिस्टम ने इस "संभावित गलती" को अपराध मान लिया और बिना पूरी जांच के उन्हें नौकरी से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

इस पूरे मामले में सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि आरोप एक "डिकॉय" यात्री की गवाही पर आधारित था। यानी वह व्यक्ति जिसे खुद विजिलेंस टीम ने भेजा था। कोई स्वतंत्र गवाह नहीं, कोई वास्तविक शिकायत नहीं, कोई पुख्ता सबूत नहीं। इसके बावजूद नायर को दोषी मान लिया गया। यह वैसा ही है जैसे कोई व्यक्ति खुद ही शिकायतकर्ता बने, खुद ही गवाह और खुद ही न्यायाधीश। क्या इसे निष्पक्ष जांच कहा जा सकता है?

और यहीं से शुरू होता है इस कहानी का असली व्यंग्य। एक तरफ सिस्टम नियमों और प्रक्रियाओं का हवाला देता है, दूसरी तरफ उन्हीं प्रक्रियाओं का पालन करना भूल जाता है। प्राकृतिक न्याय का सिद्धांत कहता है कि हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार होना चाहिए, लेकिन नायर को यह अधिकार सही तरीके से नहीं मिला। उन्हें अपनी सफाई देने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया और जल्दबाजी में फैसला सुना दिया गया। यानी पहले सज़ा, फिर सबूत तलाशने की कोशिश।

25 साल यह सिर्फ एक संख्या नहीं है, यह एक पूरा जीवनकाल है। इन 25 सालों में नायर ने क्या खोया होगा, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। एक स्थिर नौकरी, सामाजिक सम्मान, आर्थिक सुरक्षा, मानसिक शांति–सब कुछ एक झटके में छिन गया। परिवार पर क्या बीती होगी, समाज में उनकी क्या छवि बनी होगी, यह सब किसी भी कोर्ट के आदेश में नहीं लिखा जाता। अदालत सिर्फ यह कहती है कि "आरोप साबित नहीं हुए", लेकिन यह नहीं बताती कि इस दौरान जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई कैसे होगी।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सिर्फ नौकरी वापस मिल जाना ही न्याय है? क्या 25 साल तक बिना नौकरी के रहने का मुआवजा मिलेगा? क्या मानसिक पीड़ा का कोई मूल्य है? क्या समाज में खोई हुई प्रतिष्ठा वापस आ सकती है? सच्चाई यह है कि न्याय का यह स्वरूप अधूरा है। यह तकनीकी रूप से सही हो सकता है, लेकिन मानवीय दृष्टिकोण से यह पूरी तरह संतोषजनक नहीं है।

इस मामले में अदालत ने यह भी माना कि जांच प्रक्रिया में गंभीर खामियां थीं। जांच अधिकारी ने निष्पक्षता नहीं बरती, बल्कि अभियोजक और न्यायाधीश दोनों की भूमिका निभाई। यह किसी भी न्याय प्रणाली के लिए बेहद चिंताजनक बात है। अगर जांच ही निष्पक्ष नहीं होगी, तो परिणाम कैसे न्यायपूर्ण हो सकता है? यह घटना हमारे सिस्टम की उस कमजोरी को उजागर करती है, जहां प्रक्रिया का पालन सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाता है और असल में न्याय कहीं पीछे छूट जाता है।

यह भी सोचने वाली बात है कि छोटी–मोटी गलतियों के लिए इतनी कठोर सजा क्यों दी जाती है? अगर मान भी लिया जाए कि नायर से 10 की गलती हुई थी, तो क्या इसका मतलब यह है कि उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाए? क्या कोई चेतावनी या छोटी सजा पर्याप्त नहीं थी? यह दिखाता है कि कई बार सिस्टम "जीरो टॉलरेंस" के नाम पर मानवीय संवेदनाओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर देता है।

इस पूरे प्रकरण में एक और दिलचस्प पहलू यह है कि शुरू में अधिकारियों ने दावा किया कि नायर के पास अतिरिक्त 778 मिले थे, लेकिन बाद में यह रकम घटकर सिर्फ 7 रह गई। यानी आरोप खुद ही अपने वजन से गिरता चला गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। नायर की नौकरी जा चुकी थी, उनका जीवन पटरी से उतर चुका था और वह कोर्ट–कचहरी के चक्कर लगाने को मजबूर हो चुके थे।

यह मामला सिर्फ एक व्यक्ति की कहानी नहीं है, बल्कि पूरे सिस्टम के लिए एक आईना है। यह हमें दिखाता है कि कैसे एक छोटी सी लापरवाही या जल्दबाजी किसी की पूरी जिंदगी बदल सकती है। यह हमें यह भी सिखाता है कि न्याय सिर्फ फैसला सुनाने का नाम नहीं है, बल्कि एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें निष्पक्षता, संवेदनशीलता और समयबद्धता तीनों का होना जरूरी है। सबसे बड़ा व्यंग्य यही है कि जिस सिस्टम का काम न्याय देना है, वही कई बार अन्याय का कारण बन जाता है। और जब गलती का एहसास होता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। नायर को उनकी नौकरी वापस मिल गई, लेकिन उनके जीवन के 25 साल कौन लौटाएगा? यह सवाल सिर्फ अदालत या रेलवे से नहीं, बल्कि हम सभी से है–क्योंकि हम भी उसी सिस्टम का हिस्सा हैं।

अगर इस घटना से कोई सबक लेना है, तो वह यही है कि हमें अपने सिस्टम को सिर्फ सख्त नहीं, बल्कि संवेदनशील बनाना होगा। नियम जरूरी हैं, लेकिन इंसानियत उससे भी ज्यादा जरूरी है। हर गलती अपराध नहीं होती और हर आरोपी दोषी नहीं होता। जब तक हम इस फर्क को समझ नहीं पाएंगे, तब तक ऐसे मामले सामने आते रहेंगे।

अंत में यही कहा जा सकता है कि यह कहानी एक चेतावनी है–सिस्टम के लिए भी और समाज के लिए भी। यह हमें याद दिलाती है कि न्याय की असली कीमत पैसे से नहीं, बल्कि समय और संवेदनशीलता से तय होती है। और अगर यह संतुलन बिगड़ जाए, तो 10 जैसी छोटी रकम भी किसी की पूरी जिंदगी पर भारी पड़ सकती है।

## विचार विण्डो

# कमजोर मानसून, मजबूत तैयारी या फिर संकट?

राम कुमार शर्मा

भारत में मानसून सिर्फ मौसम नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, खेती और आम जीवन की धुरी है। यहां बारिश का मतलब सिर्फ ठंडक नहीं, बल्कि खेतों में हरियाली, जलाशयों में जीवन और शहरों में पानी की सप्लाई भी है। ऐसे में जब मौसम विभाग यह संकेत देता है कि इस बार मानसून सामान्य से कमजोर रह सकता है, तो यह महज एक पूर्वानुमान नहीं बल्कि एक चेतावनी है–एक ऐसा अलार्म, जिसे अगर समय रहते नहीं सुना गया, तो इसके परिणाम दूरगामी और गंभीर हो सकते हैं।

हमारे देश की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि हम हर साल मानसून का इंतजार तो करते हैं, लेकिन उसकी अनिश्चितता के लिए तैयारी नहीं करते। लगभग 55 से 60 प्रतिशत खेती आज भी बारिश पर निर्भर है। यानी अगर बारिश कम हुई तो सीधा असर किसानों की आमदनी, फसल उत्पादन और खाद्य सुरक्षा पर पड़ेगा। इसके अलावा, पेयजल की उपलब्धता, भूजल स्तर और जलाशयों का भराव भी पूरी तरह मानसून के भरोसे टिका हुआ है।

मौसम विभाग ने इस बार सामान्य से करीब 8 प्रतिशत कम बारिश की संभावना जताई है, जिसका एक बड़ा कारण अल नीनो प्रभाव को माना जा रहा है। हालांकि, विज्ञान और तकनीक के इस दौर में मौसम पूर्वानुमान पहले से कहीं अधिक सटीक हो चुके हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या हमारी तैयारियां भी उतनी ही सटीक हैं? दुर्भाग्य से जवाब 'नहीं' ही दिखाई देता है। पिछले कुछ वर्षों में भले ही मानसून सामान्य या बेहतर रहा हो, लेकिन जल प्रबंधन की हमारी स्थिति बहुत उत्साहजनक नहीं रही। हमने बारिश के पानी को सहेजने की बजाय उसे बह जाने दिया। शहरीकरण के नाम पर तालाब, झील और नाले खत्म कर दिए गए या उनके रास्ते बंद कर दिए गए। परिणाम यह हुआ कि जब बारिश होती है तो शहर डूब जाते हैं और जब बारिश कम होती है तो पानी के लिए हाहाकार मच जाता है।

यह एक अजीब विरोधाभास है–जहां एक तरफ हम बाढ़ से जूझते हैं, वहीं दूसरी तरफ सूखे की आशंका से घबराते हैं। इसका कारण स्पष्ट है–हमारे पास दीर्घकालिक जल प्रबंधन की ठोस रणनीति का अभाव है। वर्षा जल संचयन के लिए योजनाएं तो बनीं, करोड़ों रुपये खर्च भी हुए, लेकिन उनका सही क्रियान्वयन नहीं हो पाया। कई जगह वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सिर्फ कागजों तक सीमित रह गए, और जहां बने भी, वहां उनकी देखरेख नहीं हुई।

भूजल का अत्यधिक दोहन भी एक गंभीर समस्या है। हमने जमीन के नीचे के पानी को इस तरह निकाला जैसे वह कभी खत्म ही नहीं होगा। लेकिन अब स्थिति यह है कि कई क्षेत्रों में भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा चुका है। ऐसे में अगर मानसून कमजोर रहता है, तो यह संकट और गहरा सकता है। इसके साथ ही, हमारे दैनिक जीवन में पानी की खपत भी लगातार बढ़ रही है। आज पेयजल से ज्यादा पानी टॉयलेट, कूलर और अन्य घरेलू उपयोगों में खर्च हो रहा है। लेकिन पानी के विवेकपूर्ण उपयोग को लेकर न तो कोई ठोस नीति है और न ही आमजन में पर्याप्त जागरूकता।

अब सवाल उठता है कि क्या किया जाए? सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि मानसून पर पूरी तरह निर्भर रहना अब व्यावहारिक नहीं है। हमें वैकल्पिक और टिकाऊजल प्रबंधन की दिशा में कदम बढ़ाने होंगे। वर्षा जल संचयन को प्रभावी बनाना होगा, नदियों और जल स्त्रोतों का संरक्षण करना होगा और भूजल के उपयोग पर नियंत्रण लगाना होगा।

कृषि क्षेत्र में भी बदलाव जरूरी है। किसानों को कम पानी में उगने वाली फसलों की ओर प्रोत्साहित करना होगा। धान और गन्ने जैसी अधिक पानी की जरूरत वाली फसलों के स्थान पर मोटे अनाज, दालें और अन्य विकल्पों को बढ़ावा देना होगा। इससे न केवल पानी की बचत होगी, बल्कि किसानों की आय भी स्थिर रह सकेगी। आपदा प्रबंधन के स्तर पर भी समन्वित रणनीति की आवश्यकता है। जल संसाधन, कृषि, शहरी विकास और पर्यावरण से जुड़े विभागों को मिलकर काम करना होगा। सिर्फ कागजी योजनाओं से काम नहीं चलेगा, बल्कि जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई करनी होगी।

सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आम नागरिकों की है। पानी का विवेकपूर्ण उपयोग, बर्बादी रोकना और जल संरक्षण के छोटे–छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। अगर हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझे, तो कमजोर मानसून का असर काफी हद तक कम किया जा सकता है।

अंत में, यह कहना गलत नहीं होगा कि कमजोर मानसून अपने आप में उतना बड़ा संकट नहीं है, जितना कि हमारी तैयारी की कमी। अगर हम समय रहते चेत जाएं और सही कदम उठाएं, तो इस चुनौती को अवसर में भी बदला जा सकता है। लेकिन अगर हम हर साल की तरह इस बार भी लापरवाही बरतते हैं, तो आने वाले समय में पानी सिर्फ एक संसाधन नहीं, बल्कि संघर्ष का कारण बन सकता है।

इसलिए अब वक्त आ गया है कि हम मानसून के भरोसे जीने की बजाय, जल प्रबंधन के सहारे भविष्य को सुरक्षित करें।

## जोस बटलर ने रचा इतिहास

# 300 कैच क्लब में मिली एंट्री

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** आईपीएल 2026 के रोमांचक मुकाबलों के बीच जोस बटलर ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर अपने नाम नया कीर्तिमान दर्ज करा लिया है। गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले गए मैच में बटलर ने शानदार फील्डिंग का प्रदर्शन करते हुए टी 20 क्रिकेट में 300 कैच पूरे कर लिए। यह कारनामा उन्होंने जैसे ही कोलकाता के युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी का कैच पकड़कर किया, वैसे ही स्टेडियम में मौजूद दर्शक और क्रिकेट प्रेमी इस ऐतिहासिक पल के गवाह बन गए।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में बटलर ने यह उपलब्धि हासिल करते हुए कई दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम दर्ज कराया। वह टी 20 क्रिकेट में 300 कैच लेने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी बन गए हैं। इसके साथ ही दुनिया के चौथे ऐसे खिलाड़ी बने हैं जिन्होंने यह आंकड़ा छुआ है। उनसे पहले कायरन पोलार्ड, डेविड मिलर और क्विंटन डी कॉक यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। इस सूची में शीर्ष स्थान पर कायरन पोलार्ड हैं, जिन्होंने 405 कैच लपके हैं। उनके बाद डेविड मिलर और क्विंटन डी कॉक का नाम आता है। अब बटलर ने भी इस खास क्लब में शामिल होकर यह साबित कर दिया है कि वह केवल विस्फोटक बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि एक बेहतरीन विकेटकीपर और फील्डर भी हैं। उनकी फुर्ती और कैच पकड़ने की क्षमता टीम के लिए लगातार फायदेमंद साबित हो रही है। मैच की बात करें तो कोलकाता नाइट राइडर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 180 रन बनाए, जिसमें कैमरून ग्रीन ने 79 रनों की शानदार पारी खेली। हालांकि, गुजरात की गेंदबाजी के सामने टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी। कगिसो रबाडा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटके, जबकि अन्य गेंदबाजों ने भी अहम योगदान दिया। जोस बटलर की यह उपलब्धि उनके करियर का एक और सुनहरा अध्याय जोड़ती है। लगातार शानदार प्रदर्शन से वह यह साबित कर रहे हैं कि आधुनिक क्रिकेट में एक खिलाड़ी की उपयोगिता केवल बल्लेबाजी या गेंदबाजी तक सीमित नहीं है, बल्कि फील्डिंग भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

# विलेन बना हीरो, एक्स-स्टूडेंट से शुरू हुई लव स्टोरी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** 90 के दशक में अपने चॉकलेटी लुक और रोमांटिक अंदाज से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले आर माधवन आज भी अपनी एक्टिंग से उतना ही प्रभावित करते हैं। फिल्म रहना है तेरे दिल में में 'मैडी' के किरदार से पहचान बनाने वाले माधवन अब फिल्मों में विलेन और गंभीर रोल्स में भी अपनी छाप छोड़ रहे हैं। हाल ही में उन्होंने शैतान जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का अलग रंग दिखाया।

लेकिन उनकी रियल लाइफ लव स्टोरी भी किसी फिल्मी कहानी से कम दिलचस्प नहीं है। फिल्मों में आने से पहले माधवन पब्लिक स्पीकिंग और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट की क्लासेस लिया करते थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात सरिता बिर्जे से हुई, जो उनकी स्टूडेंट बनीं। हालांकि, माधवन ने साफ किया कि उन्होंने अपने स्टूडेंट्स को कभी डेट नहीं किया और दोनों के रिश्ते की शुरुआत क्लास खत्म होने के बाद हुई।

कहानी में दिलचस्प मोड़ तब आया जब सरिता को एयर होस्टेस की नौकरी मिली और उन्होंने खुशी में माधवन को डिनर के लिए आमंत्रित किया। कोल्हापुर के एक होटल में हुई यह मुलाकात दोनों के रिश्ते की शुरुआत बन गई। इसके बाद दोनों ने करीब आठ साल तक अपने रिश्ते को गुपचुप तरीके से निभाया।

साल 1999 में दोनों शादी के बंधन में बंधे और अपने फैंस को चौंका दिया। आज उनकी शादी को 25 साल से ज्यादा हो चुके हैं और उनका रिश्ता पहले की तरह मजबूत बना हुआ है। इस कपल का एक बेटा वेदांत है, जो फिल्मों से दूर रहकर स्विमिंग में अपना करियर बना रहा है और कई मेडल भी जीत चुका है।

माधवन की यह लव स्टोरी इस बात का उदाहरण है कि सच्चा रिश्ता समय और समझ के साथ और भी मजबूत बनता है।

# सुदेश लहरी की बेटी ने जीता दिल, शो में बिखेरा जादू

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** कॉमेडी की दुनिया में अपनी खास पहचान बनाने वाले सुदेश लहरी इन दिनों टीवी शो लाफ्टर शेफ्स के तीसरे सीजन में दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। लेकिन इस बार चर्चा उनके कॉमेडी अंदाज से ज्यादा उनकी बेटी शिखा लहरी को लेकर हो रही है, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से सभी को चौंका दिया।

हाल ही में शो में सुदेश लहरी अपने परिवार के साथ पहुंचे, जहां उनकी बेटी शिखा ने भी हिस्सा लिया। शुरुआत में सुदेश ने हमेशा की तरह मजाकिया अंदाज में माहौल हल्का किया, जिससे सेट पर हंसी का दौर चल पड़ा। लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसने सभी को हैरान कर दिया।

शिखा लहरी ने अपनी सुरीली आवाज में 'कमली' गाना गाया, जिसे सुनकर वहां मौजूद सभी लोग दंग रह गए। उनकी परफॉर्मेंस के बाद पूरा सेट तालियों और सीटियों से गूंज उठा। शो में मौजूद कलाकारों ने भी उनकी जमकर तारीफ की और उनके टैलेंट की सराहना की।

सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस शिखा की आवाज की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं और कई लोग उन्हें अपना म्यूजिक एल्बम लॉन्च करने की सलाह दे रहे हैं। इस परफॉर्मेंस ने यह साबित कर दिया कि शिखा भी अपने पिता की तरह हुनर से भरपूर हैं और भविष्य में बड़ा नाम कमा सकती हैं।

## फैशन डिजाइनर का दावा हुआ सच

# डीएनए टेस्ट में एक्टर ही निकला बच्चे का पिता

### कोर्ट में कबूला 2 पत्नियां होने का सच

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** एंटरटेनमेंट जगत में रिश्तों को लेकर एक और बड़ा विवाद सामने आया है, जहां सच्चाई आखिरकार अदालत में उजागर हो गई। सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट जॉय क्रिजिल्डा द्वारा लगाए गए आरोप अब सही साबित हुए हैं। कोर्ट के आदेश पर हुए डीएनए टेस्ट में यह पुष्टि हो गई कि उनके बच्चे के पिता अभिनेता-शेफ माथामपट्टी रंगराज ही हैं।

इस मामले ने तब तूल पकड़ा जब जॉय क्रिजिल्डा ने आरोप लगाया कि रंगराज ने उनसे शादी की और बाद में धोखा दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रेग्नेंसी के दौरान एक्टर ने उनसे दूरी बना ली। इसके बाद मामला पुलिस और महिला आयोग तक पहुंचा और अंततः कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई।

ताजा सुनवाई के दौरान एक बड़ा मोड़ तब आया जब डीएनए रिपोर्ट ने सच्चाई सामने रख दी। इतना ही नहीं, रंगराज ने अदालत में यह भी स्वीकार किया कि उनकी पहले से शादी हो चुकी है और उनके दो बच्चे हैं। इस खुलासे ने पूरे विवाद को और गंभीर बना दिया है।

यह मामला अब सिर्फ निजी रिश्तों का नहीं, बल्कि कानूनी और सामाजिक जिम्मेदारी का भी बन गया है।

फिलहाल, कोर्ट में आगे की कार्यवाही जारी है और इस केस पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं।

# राहुल रॉय का बदला अंदाज पहचानना हुआ मुश्किल

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** 90 के दशक की सुपरहिट फिल्म आशिकी से रातों-रात स्टार बने राहुल रॉय एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह उनका नया लुक है। हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में उन्हें मुंबई के वर्सोवा इलाके में देखा गया, जहां उनका बदला हुआ रूप फैंस को चौंका गया।

वीडियो में राहुल रॉय हाथ में सूटकेस और बैकपैक लिए नजर आए। उन्होंने क्रीम टी-शर्ट और डेनिम जींस पहनी हुई थी, साथ ही लंबे बाल और चश्मे के साथ उनका अंदाज पहले से काफी अलग दिख रहा था। यही वजह रही कि कई लोग उन्हें पहली नजर में पहचान ही नहीं पाए।

महेश भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म 'आशिकी' ने राहुल रॉय को जबरदस्त लोकप्रियता दिलाई थी। इस फिल्म के गाने और कहानी आज भी लोगों के दिलों में बसे हुए हैं। हालांकि समय के साथ उनका लुक और लाइफस्टाइल काफी बदल गया है।

फिलहाल राहुल रॉय फिल्मों में कम नजर आते हैं, लेकिन उनका यह वायरल वीडियो एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ले आया है।

# लगातार हार से हिलती केकेआर, कोचिंग पर उठे सवाल

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। टीम को अब तक खेले गए छह मैचों में पांच हार का सामना करना पड़ा है, जिससे वह अंक तालिका में सबसे नीचे पहुंच गई है। ताजा झटका गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिला, जहां करीबी मुकाबले में केकेआर को पांच विकेट से हार झेलनी पड़ी। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अब टीम के कोचिंग स्टाफ और रणनीति पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने इस स्थिति पर बड़ा बयान देते हुए भविष्य को लेकर अटकलें तेज कर दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर दावा किया कि मौजूदा कोच अभिषेक नायर के लिए टीम में बने रहना मुश्किल हो सकता है और अगले सीजन में उनकी जगह ब्रैंडन मैक्कुलम को फिर से कोच बनाया जा सकता है। पीटरसन का यह बयान तेजी से वायरल हो गया और क्रिकेट जगत में नई बहस छेड़ दी।

केकेआर का इस सीजन में प्रदर्शन अब तक उम्मीदों के बिल्कुल विपरीत रहा है। टीम के पास प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कमी नहीं है, लेकिन वह इसे जीत में बदलने में नाकाम रही है। हाल ही में खेले गए मैच में कैमरून ग्रीन की शानदार 79 रन की पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी। दूसरी ओर शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात ने लक्ष्य हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। टीम की कमान फिलहाल कप्तान अजिंक्य रहाणे और कोच अभिषेक नायर के हाथों में है, लेकिन दोनों की रणनीतियों पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। डगआउट में ड्वेन ब्रावो और शेन वॉटसन जैसे अनुभवी नाम होने के बावजूद टीम संतुलन नहीं बना पा रही। विशेषज्ञों का मानना है कि गौतम गंभीर के जाने के बाद टीम में मजबूत मेंटर की कमी साफ नजर आ रही है।

हालांकि पीटरसन का बयान फिलहाल केवल कयास माना जा रहा है, क्योंकि ब्रैंडन मैक्कुलम इंग्लैंड टीम के साथ 2027 तक अनुबंधित हैं। इसके बावजूद केकेआर के मौजूदा हालात को देखते हुए बदलाव की चर्चा तेज हो गई है। अब टीम की नजर अगले मुकाबले पर है, जहां वह ईडन गार्डन्स में वापसी की कोशिश करेगी।

### नोएडा हिंसा में बड़ा खुलासा

# दिल्ली के विवादित विश्वविद्यालय के छात्रों–सियासी कनेक्शन सामने

**यूनिक समय, नोएडा।** नोएडा में हाल ही में हुए हिंसक प्रदर्शन को लेकर जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। उत्तर प्रदेश एसटीएफ की शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि इस बवाल को भड़काने में दिल्ली के एक विवादित विश्वविद्यालय से जुड़े कुछ छात्रों और एक राजनीतिक दल के समर्थकों की भूमिका हो सकती है। जांच एजेंसियों का दावा है कि इन लोगों ने मजदूरों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन को हिंसक रूप देने की साजिश रची।

सूत्रों के मुताबिक, जैसे ही नोएडा में प्रदर्शन शुरू हुआ, बाहर से आए एक संगठित समूह ने मौके पर पहुंचकर हालात को उग्र बना दिया।

आरोप है कि इसी गुट ने मजदूरों को भड़काया, गाड़ियों में आग लगाई और पुलिस पर हमला करने के लिए उकसाया। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने सख्ती बढ़ाई, जिसके बाद कई संदिग्ध मौके से फरार हो गए, लेकिन कुछ लोगों को मेट्रो स्टेशनों से हिरासत में लिया गया।

पूछताछ के दौरान कुछ आरोपियों ने कथित तौर पर यह स्वीकार किया कि उनका मकसद प्रदर्शन को हिंसक बनाना था, ताकि बड़ा विवाद खड़ा किया जा सके। जांच एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क की तह तक जाने में जुटी हैं। खासतौर पर उन व्हाट्सएप ग्रुप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को खंगाला जा रहा है, जिनके जरिए मजदूरों को भड़काने की कोशिश की गई।

जांच में यह भी सामने आया है कि यही समूह पहले हरियाणा के मानेसर में हुए प्रदर्शन के दौरान भी सक्रिय था और वहां भी हालात बिगाड़ने की कोशिश की गई थी। इससे यह संकेत मिलता है कि यह कोई आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि एक संगठित प्रयास हो सकता है।

फिलहाल एसटीएफ संदिग्धों की पहचान कर रही है और जल्द ही इस मामले में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। प्रशासन का कहना है कि किसी भी साजिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# नोएडा हिंसा में विदेशी कनेक्शन की जांच तेज

**यूनिक समय, नोएडा।** नोएडा में हाल ही में हुए श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन और हिंसा के मामले में जांच अब अंतरराष्ट्रीय एंगल तक पहुंच गई है। पुलिस की शुरुआती पड़ताल में दो संदिग्ध एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट्स का पता चला है, जिन्हें पाकिस्तान से संचालित किया जा रहा था। इस खुलासे के बाद उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने भी मामले की जांच शुरू कर दी है।

जांच एजेंसियों के अनुसार, इन सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए श्रमिकों को भड़काने और प्रदर्शन को हिंसक रूप देने की कोशिश की गई। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इन अकाउंट्स की पहले की गतिविधियां क्या रही हैं और क्या इनका संबंध किसी संगठित नेटवर्क से है। साथ ही कुछ स्थानीय लोगों–रुपेश राय, मनीषा चौधरी, आकृति और सृष्टि–की भूमिका को भी जांच के दायरे में रखा गया है। पुलिस का मानना है कि पढ़े–लिखे होने के बावजूद कुछ लोग श्रमिकों को उकसाकर हिंसा फैलाने में शामिल थे। इस आधार पर इनके तथाकथित

### एटीएस की नजर सोशल मीडिया गतिविधियों पर

"अर्बन नक्सल" कनेक्शन की भी जांच की जा रही है। हिंसा के बाद पुलिस ने व्यापक कार्रवाई करते हुए अब तक करीब 1100 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इनमें लगभग 70 लोग ऐसे हैं जिन्हें सीधे तौर पर तोड़फोड़ और आगजनी में शामिल पाया गया, जबकि बाकी को शांति भंग के आरोप में पकड़ा गया। अपर पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्र के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की भूमिका तय की जा रही है। जिन लोगों के खिलाफ ठोस सबूत मिलेंगे, उन्हें मुख्य मामलों में नामजद किया जाएगा। इस बीच, कुछ परिवारों ने आरोप लगाया है कि उनके परिजनों को हिरासत में लेने के बाद पुलिस ने स्पष्ट जानकारी नहीं दी, जिससे चिंता का माहौल बना हुआ है। पूरे मामले में जांच एजेंसियां हर पहलू को ध्यान में रखते हुए आगे की कार्रवाई कर रही हैं।

# पूर्व मंत्री के बेटे समेत दो युवक छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार

**यूनिक समय, मुजफ्फरनगर ।** मुजफ्फरनगर के नई मंडी कोतवाली क्षेत्र में मां–बेटी के साथ कथित छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए पूर्व मंत्री और भाजपा नेता के बेटे सहित दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना उस समय हुई जब मां–बेटी देर रात रेलवे रोड पर टहलने के लिए निकली थीं।

पीड़ित पक्ष के अनुसार, इसी दौरान दो युवक वहां पहुंचे और उन्होंने नशे की हालत में अभद्र व्यवहार करते हुए छेड़छाड़ शुरू कर दी। स्थिति को भांपते हुए महिला ने हिम्मत दिखाई और घटना का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया, जो बाद में मामले का अहम साक्ष्य बना।

पुलिस जांच में आरोपियों की पहचान पचेड़ा रोड निवासी आर्यमान रघुवंशी और उसके साथी शिवपुरी निवासी शौर्य गुप्ता के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि आर्यमान रघुवंशी एक पूर्व मंत्री और भाजपा नेता का बेटा है, जिससे मामला और अधिक संवेदनशील हो गया।

### पीड़िता ने बनाया वीडियो

घटना के बाद पीड़िता ने नई मंडी कोतवाली में लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज किया। सीओ नई मंडी राजू कुमार साव ने जानकारी देते हुए बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ छेड़छाड़ से संबंधित धाराओं में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच जारी है और वीडियो फुटेज को भी सबूत के तौर पर शामिल किया गया है। इस घटना ने शहर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

# अलीगढ़ में इलेक्ट्रॉनिक्स गोदाम में भीषण आग

**यूनिक समय,** अलीगढ़ । अलीगढ़ के थाना गांधी पार्क क्षेत्र में भैरव मंदिर के पास जीटी रोड स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक्स गोदाम में शुक्रवार देर रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि गोदाम में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया और पास के एक मकान को भी अपनी चपेट में ले लिया।

जानकारी के अनुसार, यह गोदाम बेला देवी इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम संचालक का है, जहां कूलर, पंखे और एसी जैसे सामान रखे जाते थे। रात करीब साढ़े नौ बजे अचानक आग भड़क उठी, जिससे

### लाखों का सामान जलकर राख

इलाके में अफरा–तफरी मच गई। मकान में रह रहे परिवार के लोग तुरंत बाहर निकल आए।

सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की दो गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मौके पर पुलिस भी मौजूद रही। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि विस्तृत जांच जारी है।

### अग्निकांड पर भ्रामक पोस्ट से हड़कंप

# 100 मौतों का झूठा दावा, पुलिस ने दर्ज किए केस

**यूनिक समय, लखनऊ।** लखनऊ के विकास नगर क्षेत्र में हुए अग्निकांड को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रामक और भड़काऊ पोस्ट साझा करने के मामले में पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। इस मामले में दो अलग–अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं और आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, एक इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट किए गए वीडियो में दावा किया गया कि आग की घटना में 100 से अधिक लोगों की मौत हुई है, जबकि आधिकारिक तौर पर इतनी बड़ी संख्या की पुष्टि नहीं हुई है। पोस्ट में यह भी लिखा गया कि "यही पुलिस एक घंटे बाद लाठी मारेगी", जिससे लोगों के बीच आक्रोश और अविश्वास फैलाने की कोशिश की गई।

मामले में संबंधित थाने के अधिकारियों ने बताया कि यह पोस्ट जनता को गुमराह करने, पुलिस के खिलाफ भड़काने और कानून–व्यवस्था को प्रभावित करने के उद्देश्य से डाली गई थी। इसी आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। एक अन्य मामले में भी आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने पर कार्रवाई की गई है। आरोप है कि इस पोस्ट में न सिर्फ अग्निकांड को लेकर गलत जानकारी दी गई, बल्कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया।

साथ ही कुछ समुदायों के खिलाफ भी अभद्र टिप्पणियां की गईं, जिससे सामाजिक वैमनस्य फैलने की आशंका है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। साइबर टीम ऐसे अकाउंट्स की पहचान कर रही है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि किसी भी खबर को साझा करने से पहले उसकी सत्यता जरूर जांच लें, ताकि अफवाहों से बचा जा सके।

### मेरठ सेंट्रल मार्केट में बढ़ा तनाव

# पुलिस की धरना खत्म करने की चेतावनी पर भड़के व्यापारी

**यूनिक समय, मेरठ।** मेरठ के शास्त्रीनगर स्थित सेंट्रल मार्केट में सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के विरोध में चल रहा धरना अब पुलिस और व्यापारियों के बीच टकराव का रूप लेता दिख रहा है। प्रभावित व्यापारी और उनके परिवार, खासकर महिलाएं, कई दिनों से धरनास्थल पर डटे हुए हैं।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से धरना समाप्त करने को कहा है और चेतावनी दी है कि शांति भंग करने की स्थिति में मुकदमा दर्ज किया जा सकता है। इस चेतावनी से व्यापारियों में नाराजगी बढ़ गई है। विरोध स्वरूप तिरंगा बाजार के कई व्यापारी भी धरनास्थल की ओर बढ़ने लगे, जिससे माहौल और गरमा गया।

बताया जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर आवासीय भूखंडों पर बने व्यावसायिक निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इस कारण कई व्यापारियों के सामने रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 168 के तहत कुछ लोगों को नोटिस जारी किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी तरह की भड़काऊ गतिविधि या कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### नोएडा में बड़ा एक्शन

# 203 मैनपावर एजेंसियों पर कार्रवाई, श्रमिकों को राहत

**श्रम कानून तोड़ने पर 1.16 करोड़ रुपये का भारी जुर्माना**

**कामगारों को राहत 21% वेतन वृद्धि का ऐलान लागू**

**अवैध कटौती पर रोक केवल ईपीएफ और ईएसआई मान्य**

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** नोएडा और ग्रेटर नोएडा में श्रमिक असंतोष के बीच प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ा कदम उठाया है। श्रम विभाग ने 24 कंपनियों से जुड़ी 203 मैनपावर एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। इन एजेंसियों के लाइसेंस रद्द

करने की प्रक्रिया चल रही है, साथ ही करीब 1.16 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया जा रहा है। यह कार्रवाई श्रम कानूनों के उल्लंघन और कर्मचारियों को वैधानिक सुविधाएं न देने के आरोप में की जा रही है।

जांच में सामने आया कि कई एजेंसियां कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन, ईपीएफ और ईएसआई जैसे जरूरी लाभ नहीं दे रही थीं। इससे श्रमिकों में लंबे समय से नाराजगी थी, जो हाल के प्रदर्शनों में खुलकर सामने आई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि श्रमिकों के अधिकारों से समझौता करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

इसी बीच, श्रमिकों को राहत देते हुए 21 प्रतिशत वेतन वृद्धि का ऐलान भी किया गया है। यह बढ़ोतरी 1 अप्रैल से लागू मानी जाएगी और इसका भुगतान मई में किया जाएगा। यह फैसला गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद के 74 नियोजनों में काम कर रहे श्रमिकों पर लागू होगा।

प्रशासन ने यह भी कहा है कि वेतन से केवल वैध कटौतियां ही स्वीकार होंगी। किसी भी प्रकार की अवैध कटौती पर सख्त कार्रवाई होगी। हाल ही में कई कंपनियों के बाहर कर्मचारियों ने वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था, जिसके बाद यह फैसला लिया गया।

पुलिस जांच में यह भी संकेत मिले हैं कि कुछ बाहरी तत्वों ने श्रमिकों को भड़काने की कोशिश की। व्हाट्सऐप समूहों के जरिए भड़काऊ संदेश फैलाए गए, जिससे माहौल बिगड़ा। फिलहाल पुलिस आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की तैयारी में जुटी है।कुल मिलाकर, प्रशासन का यह कदम जहां श्रमिकों के हित में राहत लेकर आया है, वहीं नियम तोड़ने वाली एजेंसियों के लिए सख्त संदेश भी साबित हो रहा है।

# केंद्रीय कर्मियों के लिए राहत बढ़े डीए से होगी जेब भारी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने महंगाई के दबाव के बीच सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते (डीए) में 2% की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद अब डीए 58% से बढ़कर 60% हो जाएगा, जिससे लाखों लोगों की मासिक आय में सीधा इजाफा होगा।

सरकार का यह कदम ऐसे समय पर आया है, जब बढ़ती महंगाई के कारण कर्मचारियों पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा था। डीए में बढ़ोतरी से न सिर्फ उनकी सैलरी बढ़ेगी, बल्कि जनवरी से लागू एरियर का भी लाभ मिलेगा। यानी कर्मचारियों को एकमुश्त अतिरिक्त रकम भी हाथ में आएगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति कुछ मजबूत होगी।

अगर उदाहरण के तौर पर देखा जाए, तो 50,000 रुपये बेसिक सैलरी पाने वाले कर्मचारी को पहले 29,000 रुपये डीए मिलता था, जो अब बढ़कर 30,000 रुपये हो जाएगा। इस तरह हर महीने करीब 1,000 रुपये का सीधा फायदा मिलेगा। छोटे स्तर से लेकर उच्च पदों तक, सभी कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा।

इस फैसले का असर करीब 1.19 करोड़ कर्मचारियों और पेंशनर्स पर पड़ेगा। केंद्र सरकार आमतौर पर साल में दो बार–जनवरी और जुलाई–डीए में संशोधन करती है, लेकिन इस बार निर्णय में कुछ देरी हुई, जिससे कर्मचारियों की उम्मीदें और बढ़ गई थीं।

डीए बढ़ोतरी के साथ ही 8वें वेतन आयोग को लेकर चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। कर्मचारी संगठनों की मांग है कि फिटमेंट फैक्टर बढ़ाया जाए, जिससे न्यूनतम वेतन में बड़ा उछाल आ सके। हालांकि इस पर अंतिम फैसला अभी बाकी है। कुल मिलाकर, सरकार का यह फैसला कर्मचारियों के लिए राहत भरा साबित होगा और महंगाई के दौर में उनकी जेब को थोड़ी मजबूती देगा।

### प्रियंका गांधी का वार

# महिला आरक्षण पर सियासी साजिश का आरोप

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** महिला आरक्षण बिल को लेकर देश की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए इसे महिलाओं के हित से ज्यादा राजनीतिक रणनीति करार दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस मुद्दे का इस्तेमाल सत्ता को मजबूत करने के लिए किया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार जानती थी कि बिल पास नहीं होगा, फिर भी इसे लाया गया ताकि विपक्ष को महिला विरोधी साबित किया जा सके। उनके मुताबिक, यह असल में परिसीमन से जुड़ी योजना थी, जिससे सरकार को अपनी शर्तों पर राजनीतिक समीकरण बदलने का मौका मिल सकता था।

उन्होंने इसे लोकतंत्र और संविधान की जीत बताते हुए कहा कि विपक्ष की एकजुटता ने सरकार की योजना को सफल नहीं होने दिया। प्रियंका ने यह भी आरोप लगाया कि महिलाओं के नाम पर राजनीति करना आसान नहीं है और जनता अब ऐसी रणनीतियों को समझने लगी है। कुल मिलाकर, इस बयान ने महिला आरक्षण के मुद्दे को और ज्यादा राजनीतिक बना दिया है।

# महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन की साजिश: राहुल गांधी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** राहुल गांधी ने तमिलनाडु के पोंनेरी में रैली के दौरान केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण के नाम पर लाया गया विधेयक दरअसल परिसीमन के जरिए दक्षिणी राज्यों की राजनीतिक ताकत कम करने की कोशिश थी, जिसे विपक्ष ने संसद में नाकाम कर दिया।

राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ आरक्षण का मुद्दा नहीं था, बल्कि प्रतिनिधित्व घटाने की एक रणनीति थी। उनका दावा था कि यदि यह प्रस्ताव पारित हो जाता, तो तमिलनाडु जैसे राज्यों की आवाज कमजोर पड़ जाती। उन्होंने इसे संविधान की भावना के खिलाफ बताते हुए कहा कि "हमने इसे संसद में हरा दिया।"

भाषण के दौरान उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर भी निशाना साधा। राहुल ने आरोप लगाया कि ये संगठन तमिल भाषा, संस्कृति और पहचान को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, जो स्वीकार्य नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत राज्यों का संघ है, जहां हर राज्य को समान अधिकार मिलना चाहिए। "एक राष्ट्र, एक भाषा" जैसी सोच देश की विविधता के खिलाफ है। आगामी चुनावों को लेकर उन्होंने विपक्षी गठबंधन की ओर से राज्यों के अधिकारों की रक्षा करने का भरोसा भी दिलाया।

# कर्नाटक में बर्ड फ्लू की दस्तक

**यूनिक समय, कर्नाटक।** कर्नाटक के बेंगलुरु के पास बर्ड फ्लू का पहला मामला सामने आने के बाद प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। एच5एन1 बर्ड फ्लू की पुष्टि ने स्वास्थ्य और पशुपालन विभाग की चिंता बढ़ा दी है, जिसके चलते तुरंत सख्त कदम उठाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, बेंगलुरु के बाहरी इलाके हेसरघट्टा के पास स्थित एक पोल्ट्री फार्म में अचानक बड़ी संख्या में मुर्गियों की मौत हुई। जांच के बाद 14 अप्रैल को एच5एन1 वायरस की पुष्टि हुई। इसके बाद 16 अप्रैल को एहतियातन 7,444 मुर्गियों को नष्ट कर सुरक्षित तरीके से दफनाया गया, ताकि संक्रमण आगे न फैले।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने पूरे इलाके को सील कर दिया है और बायो–सिक्योरिटी नियम लागू किए गए हैं। फार्म में काम करने वाले 10 कर्मचारियों को क्वारंटीन में रखा गया है, हालांकि अभी तक उनमें किसी तरह के लक्षण नहीं पाए गए हैं। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग लगातार उनकी निगरानी कर रहा है।

इस घटना के बाद 36 गांवों और

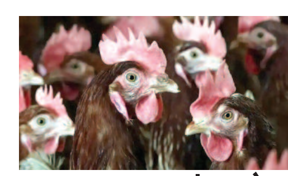

**प्रशासन 36 गांव को अलर्ट मोड में डाला**

54 चिकन दुकानों को सर्विलांस जोन में रखा गया है। इन इलाकों में मुर्गियों की बिक्री, आवाजाही और स्वास्थ्य जांच पर कड़ी नजर रखी जा रही है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। प्रशासन को आशंका है कि यह संक्रमण पास की झील में आने वाले प्रवासी पक्षियों के जरिए फैला हो सकता है। इसी वजह से आसपास के जल स्रोतों की निगरानी भी बढ़ा दी गई है। सरकार ने लोगों से अपील की है कि घबराएं नहीं, लेकिन सतर्क रहें। किसी भी बीमार या मृत पक्षी की सूचना तुरंत प्रशासन को दें। साथ ही, साफ–सफाई और सुरक्षा उपायों का पालन कर संक्रमण से बचाव करने की सलाह दी गई है।

# मोतिहारी में संदिग्ध मौत, जहरीली शराब की आशंका

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** मोतिहारी में एक बार फिर जहरीली शराब का खतरा सामने आया है। गोविंदपुर टिकैता गांव में एक व्यक्ति की संदिग्ध मौत के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है, जबकि कई लोग बीमार बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, मृतक ने अपने साथियों के साथ शराब पी थी, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। अन्य लोगों में भी उल्टी, चक्कर और कमजोरी जैसे लक्षण देखे गए हैं। पुलिस ने मौके से अवैध शराब बरामद कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल प्रशासन पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है, ताकि मौत के असली कारण का पता चल सके।

# ट्रंप की सख्त चेतावनी: समझौता करो वरना हमला तय

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि बुधवार तक कोई ठोस समझौता नहीं हुआ, तो सीज़फायर खत्म किया जा सकता है। इस बयान ने खाड़ी क्षेत्र में हालात को और संवेदनशील बना दिया है।

मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप ने संकेत दिए कि भले ही युद्ध को तुरंत आगे न बढ़ाया जाए, लेकिन ईरानी बंदरगाहों पर नाकेबंदी जारी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ी तो अमेरिका फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू कर सकता है। यह बयान ऐसे समय आया है जब दोनों देशों के बीच कूटनीतिक बातचीत ठप पड़ी हुई है और हालिया प्रयासों से कोई खास नतीजा नहीं निकला। दरअसल, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लंबे समय से बना हुआ है, लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने इसे और जटिल बना दिया है।

पर्दे के पीछे बातचीत जारी रहने के बावजूद कई अहम मुद्दों पर दोनों देशों के बीच मतभेद कायम हैं। इनमें आर्थिक प्रतिबंधों में राहत, परमाणु कार्यक्रम और समुद्री सुरक्षा जैसे विषय शामिल हैं।

इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पहलू स्ट्रेट ऑफ होर्मुज है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल और गैस इसी रास्ते से गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी तरह का सैन्य तनाव अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाल सकता है।

अमेरिका का कहना है कि यह जलमार्ग पूरी तरह सुरक्षित और खुला है, जबकि ईरान बार–बार चेतावनी देता रहा है कि दबाव बढ़ने पर वह इस मार्ग को सीमित कर सकता है। फिलहाल हालात नाजुक बने हुए हैं और दुनिया की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या दोनों देश बातचीत से समाधान निकाल पाएंगे या टकराव और गहराएगा।

# मेटा में छंटनी की तैयारी 8000 नौकरियां खतरे में

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** तकनीकी कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स एक बार फिर बड़े स्तर पर कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी में है। रिपोर्ट्स के अनुसार, मई से शुरू होने वाले पहले चरण में करीब 8,000 कर्मचारियों पर असर पड़ सकता है, जबकि कुल संख्या 16,000 तक पहुंचने की आशंका है।

इस फैसले के पीछे कंपनी का कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर बढ़ता फोकस बताया जा रहा है। मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जकरबर्ग पहले ही संकेत दे चुके हैं कि कंपनी भविष्य में एआई आधारित तकनीक पर अधिक निवेश करेगी। इसी के तहत कार्यबल में बदलाव किया जा रहा है। कंपनी इस वर्ष बड़े निवेश की योजना बना रही है, जिसमें डेटा केंद्र और एआई ढांचा शामिल हैं। इसके चलते कई पारंपरिक नौकरियों की जरूरत कम हो रही है। गौरतलब है कि इससे पहले भी मेटा ने 2022–23 में करीब 21,000 कर्मचारियों की छंटनी की थी। यह कदम तकनीकी क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलाव को दर्शाता है।

# सवारियों के जेवरात, नकदी चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार

**यूनिक समय, मथुरा।** जैंत पुलिस और रिवार्डिड टीम ने सवारियों को गाड़ी में बिठाकर उनके बैग से कीमती सामान और जेवरात आदि निकालने वाले गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके पास से सवारियों से छीने गए जेवरात आदि बरामद किए हैं।

हाइवे सहित अन्य मार्गो पर ईको कार अथवा अन्य किसी वाहन को लेकर लूटपाट का शिकार करने वाला गैंग सड़क पर निकल जाता था। वाहन के इंतजार में खड़े लोगों को उनके स्थान पर जाने की बात कहकर बिठा कर रास्ते में उनके बैग आदि से कीमती जेवर और नकदी आदि चोरी कर रहे थे। इस मामले में कई शिकायते पुलिस को मिली थी। पुलिस ने

पुलिस की गिरफ्त में सवारियों का सामान चोरी करने वाले गैंग के तीन सदस्य और बरामद माल।

इस तरह के गैंग को तलाश कर रही थी। बताया गया रात को जैंत पुलिस और रिवार्डिड टीम को गैंग के बारे में सूचना मिली। दोनो टीमों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अल्लेहपुर कट को समीप खड़े तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों में संदीप उर्फ संजय उर्फ टिंकू निवासी ग्राम जोगीपुरा थाना हापुड़ देहात

### ईको में धोखे से बिठा कर बैग से करते है सामान चोरी

जनपद हापुड़, सोनी उर्फ मौनू व कार्तिके निवासी ग्राम लाड़पुरा थाना भवनपुर जिला मेरठ हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से सवारियों से लूटे गए काफी संख्या में जेवरात आदि बरामद किए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पुलिस को बताया कि ईको कार से कई लोगों को अपने जाल में फंसाकर उनके बैग आदि से जेवरात चोरी किए थे। एक महिला के जेवरात भी उन्होंने मथुरा में उतरवा लिए थे। चोरों ने इस तरह की कई वारदातों का इकबाल किया है।

छाता संपूर्ण समाधान दिवस

# 33 शिकायतों में गूंजी किसानों की पीड़ा

संपूर्ण समाधान दिवस में किसानों की बात सुनते छाता के नायब तहसीलदार शिवशंकर।

**यूनिक समय, छाता (मथुरा)।** तहसील में जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से लगाए संपूर्ण समाधान दिवस' में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 33 शिकायतें दर्ज की गईं। प्रशासन ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द इनके निस्तारण केनिर्देश दिए हैं।

समाधान दिवस में सबसे अधिक भीड़ किसानों की देखी गई। किसानों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए खेती–किसानी से जुड़ी कई गंभीर समस्याओं को अधिकारियों के सामने रखा।

नायब तहसीलदार शिव शंकर ने बताया कि उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में लगाए संपूर्ण समाधान दिवस में 33 शिकायत प्राप्त हुई हैं। सरकारी भूमियों पर अवैध कब्जे की शिकायत मिली है। सभी लेखपालों को निर्देशित किया गया है कि तुरंत कब्जा हटवाया जाए। तहसील के सभी किसानों को आपदा धनराशि समय से उपलब्ध करवाई जा रही है।

अगर किसी भी किसान का लेखपाल से संपर्क नहीं हो पा रहा है तो तहसील के कंट्रोल रूम में अपने कागजात जमा कर सकता है आपदा के।

इस दौरान खंड विकास अधिकारी नरेश कुमार, नंदगांव,आपूर्ति निरीक्षक मोहन प्रकाश उपाध्याय, कानून को मोहन श्याम ,हीरालाल ,अमर सिंह, हरिश्चंद्र, बैचेन सिंह आदि मौजूद थे।

# विश्व हिंदू परिषद ने जेहादी मानसिकता के खिलाफ किया धरना प्रदर्शन

होली गेट चौराहे पर धरना प्रदर्शन करते विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता।

**यूनिक समय, मथुरा।** विश्व हिंदू परिषद ने कन्हैया लाल (ब्रज प्रांत अध्यक्ष) के नेतृत्व में होली गेट चौराहे पर जिहादी मानसिकता के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं और हिंदू समाज के लोगों ने भागीदारी की। धरना प्रदर्शन के दौरान नीता (रतन लाल फूल कटोरी की प्रधानाचार्य) ने हिंदू समाज की लड़कियों को धर्म के प्रति जागरूक रहने और सतर्क रहने की सलाह दी।

वहीं मुकेश (क्षेत्रीय सेवा प्रमुख) ने कहा कि समाज को सजग रहना चाहिए और अनुचित गतिविधियों का विरोध करना आवश्यक है। वहीं मुख्य वक्ता कन्हैया लाल ने विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर विचार रखते हुए जागरूकता की

### राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया, जिससे पूरा होली गेट चौराहा गूंज उठा। इसके बाद राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन एसडीएम को सौंपकर धरना समाप्त किया। इस अवसर पर डॉ. संजय, श्रीओम, गोकुलेश, रनवीर, देवेंद्र, कांतनाथ, अतुल शोरा वाला, लक्ष्मी, सूची, उमा सोलंकी, लालकृष्ण चतुर्वेदी, मदन, विमल, वत्सल, गोपाल, आशीष, पवन, मनोज और नितिन सहित कई लोग उपस्थित रहे।

# डॉ . बीके अग्रवाल का हुआ बहुमान

जयपुर हाउस स्थित श्रीराम पार्क में चल रहे कार्यक्रम में डॉ. बीके अग्रवाल एवं संदेश जैन आदि।

**यूनिक समय, आगरा।** मुनि श्री विहंसत सागर महाराज एवं मुनि श्री विश्व साम्य सागर महाराज के सानिध्य में श्री राम पार्क जयपुर हाऊस में चल रहे समवशरण महामंडल विधान में आगरा के वरिष्ठ चिकित्सक जगदम्बा मेडी केयर सेंटर जयपुर हाऊस के चेयरमैंन डॉ. बीके अग्रवाल ने पहुंचकर महाराज श्री को श्री फल भेंट कर आशीर्वाद लिया। वहीं जैन समाज ने डॉ. बीके अग्रवाल व समाजसेवी सन्देश जैन का माला पहना व प्रीत वस्त्र ओढ़ा कर बहुमान किया।

# राजस्व कर्मियों की लापरवाही किसान की बीमित फसल का नहीं हुआ 'क्रॉप कटिंग'

समाधान दिवस पर शिकायत करने पर पहुंचे भगवत स्वरूप पांडेय के साथ किसान।

संवाददाता

**यूनिक समय, छाता मथुरा।** शनिवार को छाता तहसील में लगे संपूर्ण समाधान दिवस में किसानों के साथ में पहुंचे किसान नेता भगवत स्वरूप पांडे क्षेत्र में समय से राजस्व कर्मियों के द्वारा फसल में हुए नुकसान की क्रॉप कटिंग न होने से नाराज दिखे।

फसल बीमा कराने के बावजूद राजस्व कर्मियों की लापरवाही के चलते एक भी किसान की फसल का 'क्रॉप कटिंग' (कटाई प्रयोग) न होने का मामला सामने आया है। इससे नाराज भदावल, चंदौरी लाडपुर, खायरा और अन्य गांव से आए हुए किसान और किसान नेताओं ने तहसील मुख्यालय पर अधिकारियों का घेराव किया और जमकर आक्रोश जताया। सिमाधान दिवस में अधिकारियों के समक्ष बताया

### चेतावनी..सही रिपोर्ट नही भेजी तो होगा उग्र आंदोलन

कि सभी पीड़ित किसानों ने अपनी फसल का बीमा कराया था। नियमानुसार, फसल नुकसान के आकलन और बीमा राशि के निर्धारण के लिए राजस्व विभाग के कर्मचारियों की मौजूदगी में 'क्रॉप कटिंग' की प्रक्रिया होनी अनिवार्य थी। आरोप है कि संबंधित राजस्व कर्मियों ने मौके पर पहुंचे बिना ही खानापूर्ति करने की कोशिश की, जिसके कारण किसान की फसल का उचित सर्वे नहीं हो सका।

इस दौरान ज्ञानू प्रधान प्रतिनिधि गौहारी, अजय सिंह एडवोकेट, अजय सिंह यदुवंशी, गोविंद, करण पाल सिंह,सूखा, भोजपाल, परदासी, रामसिंह, जयपाल, धर्म तथा पियूष चौधरी आदि मौजूद थे।

# राया में सट्टे की खाईबाड़ी करते दो सटोरिया गिरफ्तार

**यूनिक समय, राया ( मथुरा)।** थाना पुलिस ने अलग अलग स्थानों से सट्टे की खाईबाड़ी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह, कस्बा पुलिस चौकी प्रभारी उज्ज्वल शर्मा एवं अनिरुद्ध कुमार ने बांस मंडी रामलीला मैदान से राजेश पुत्र बांकेलाल निवासी परशुराम गली राया को गिरफ्तार किया है जिसके कब्जे से पेन डायरी 740 रुपए बरामद व सूरज फाटक के समीप आजाद पुत्र दरब सिंह निवासी तोष थाना जैत मथुरा को गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से पुलिस ने सत्ता पर्ची 640 रुपये बरामद कर कार्यवाही की है।

## चोरी की बाइक के साथ एक गिरफ्तार

**यूनिक समय, मथुरा।** छाता पुलिस ने गोवर्धन खानपुर वाले रास्ते पर मंदिर के निकट से एक शातिर बाइक चोर को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान गोवर्धन–खानपुर मार्ग पर मंदिर के निकट से जाते एक बाइक सवार को चेकिंग के लिए रोक लिया। युवक से बाइक के कागजात मांगे गए तो उसने बाइक को चोरी का बताया। पुलिस ने अभियुक्त मोहनश्याम निवासी ततारपुर थाना बरसाना है। पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में गिरफ्तार किया है।

### तल्ख धूप से बिलबिलाने लगे लोग

# दोपहर को पारा 40 डिग्री सेल्सियस पार होने से गर्मी बढ़ी

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, मथुरा।** पारा बढ़ने के साथ आसमान से आग बरसने लगी। लोग परेशान होने लगे। बाजारों में सन्नाटा सा परसने लगा है। स्कूल–कालेजों की छुट्टी होने के बाद घरों को लौटते विद्यार्थी पसीने से तर बतर होने लगे हैं। आधा बैशाख माह खत्म होने के साथ गर्मी का सितम लोगों पर कहर ढाने लगा है।

शनिवार को तापमान 40 डिग्री के पार जाने पर भगवान भास्कर के तेवर भी तल्ख होने लगे। सुबह नौ

कालेज की छुट्टी होने के बाद दुपट्टा ओढ़े कर चल रहीं छात्राएं।

बजे से लोग धूप में निकलने से परहेज करने लगे। आवश्यक कार्यों से निकलने वाले लोगों के पसीने ही छूट गए। रास्ते में रुक रुककर पानी पीने लगे। स्थिति यह दिखाई दे रही थी कि बाजारों में दोपहर में सन्नाटा सा पसरा दिखाई दिया। घरों की छतों पर रखी पानी की टंकियां भी गर्म पानी की सप्लाई करने लगीं। लोगों को नहाने मे दिक्कत हुई। भीषण गर्मी को देखते हुए मजदूर ने काम करना बंद कर दिया है। लोगों का कहना है कि अभी तो गर्मी शुरू हुई है आधा बैशाख और दो महिने जेठ के आने वाले है। करीब डेढ़ माह तक भगवान भास्कर के तल्ख तेवरों का और सामना करना पड़ेगा। उस समय क्या हालात होंगे।

# स्मार्ट मीटर से संबंधित समस्याओं का शिविर लगाकर किया समाधान

**यूनिक समय, राया (मथुरा)।** उपखंड अधिकारी देवेंद्र कुमार तिवारी के निर्देशन में जीएमआर कंपनी की ओर से उप खंड कार्यालय पर स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं के समाधान को छह दिवसीय जनसुविधा कैंप लगाया। कैंप में उपभोक्ताओं के बिल संशोधन, रिचार्ज में दिक्कत, बिजली आपूर्ति कटने, मीटर रीडिंग तथा अन्य शिकायतों का समाधान किया गया। साथ ही नए कनेक्शन, बकाया बिल जमा कराने और अन्य समस्याओं का भी निस्तारण किया गया। उपखंड अधिकारी ने बताया कि कैंप में स्मार्ट मीटर हटाने से संबंधित शिकायतें भी प्राप्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि सभी शिकायतों को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाकर समाधान कराया जाएगा। इस दौरान अवर अभियंता विकास यादव, विष्णु शर्मा, पंकज शर्मा आदि मौजूद थे।